तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 19.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 12 अक्टूबर 2025

11 नवनिवार्चित कार्यकारिणी ने संभाला कार्यभार

11 दिवाली महोत्सव में बच्चों ने कला के खूब बिखेरे रंग

खबर संक्षेप

क्रेडिट कार्ड पर इंश्योरेंस का झांसा देकर हड़पे 1.60 लाख

जींद। श्याम नगर में व्यक्ति को क्रेडिट कार्ड से इंश्योरेंस पोलिसी करने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक लाख 60 हजार रुपये का चूना लगा दिया। शिकायत के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। श्याम नगर निवासी जवेश ने पुलिस को शिकायत दी है।

विदेश में रह रहा दोस्त बन लगाया दो लाख का चूना

जींद। साइबर ठगों ने विदेश में रह रहा जानकार बन कर एक व्यक्ति को दो लाख रुपये का चूना लगा दिया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव शाहपुर निवासी सतीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका दोस्त रणजीत सिंह अमेरीका में रहता है। गत 27 अगस्त को उसके फोन पर विदेशी नंबर से व्हाट्सअप कॉल आई।

आत्महत्या के लिए मजबूर करने के तीन आरोपी काबू

जींद। गढ़ी थाना पुलिस ने गांव गुरथली के व्यक्ति को फंदा लगा आत्महत्या के लिए मजबूर करने के तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। गांव गुरथली निवासी नन्ही देवी ने पुलिस को शिकायत में बताया था कि आठ अक्टूबर को उसके पति जगतार सिंह को गांव का ही राजेश परिवार दो साल पुराने हत्या के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दे रहा था। आरोपित समझौते की एवज में बीस लाख रुपये की डिमांड कर रहे थे।

बदमाशों ने हजारों की नकदी व सामान लूटा

कैथल। कलायत खंड के गांव खंडांलवा से बदमाश एक व्यक्ति से हजार रुपए का सामान व नगदी लूट कर फरार हो गए। गांव चौरा के अरुण कुमार ने थाना कलायत पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 9 अक्टूबर को जब वह शाम के करीब 6:30 बजे खंडालवा क्षेत्र से जा रहा था तो तीन अज्ञात बदमाशों द्वारा उसके साथ मारपीट करते हुए उसकी 16000 रुपये की नकदी व अन्य सामान लूट लिया था।

महिला से मारपीट करने पर चार के खिलाफ केस

जींद। गांव राजपुरा भैण में कहासुनी के दौरान महिला से मारपीट करने पर सदर थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव राजपुरा भैण निवासी सेवा ने शिकायत में बताया कि उसकी पड़ोसी कुलदीप परिवार से कहासुनी हो गई। जिस पर कुलदीप परिवार ने उस पर हमला कर दिया। जिसमें उसे काफी चोटें आई। सदर थाना पुलिस ने सेवा की शिकायत पर टिंकू, रिंकू, कुलदीप, अनिता के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुस हमला करने पर छह पर मामला दर्ज

जींद। गांव किनाना में रंजिशन घर में घुस हमला करने पर सदर थाना पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव किनाना निवासी पुष्पा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पडोसी जीत सिंह परिवार से कहासुनी हो गई थी। उस समय तो मामला शांत हो गया। देर रात को जीत सिंह परिवार उसके घर में घुस आया हमला कर दिया। जिसमें उसे तथा उसके परिजनों को चोटें आई।

नागरिक अस्पताल में इमरजेंसी को लेकर डेड लाइन तय

हर हाल में सोमवार तक इमरजेंसी को पूरी तरह तैयार करने के निर्देश

नागरिक अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड सुधारीकरण में हो रही देरी पर स्वास्थ्य प्रशासन सख्त, पिछले एक पखवाड़े से खुले में चल रही इमरजेंसी के कारण मरीज हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। नागरिक अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में लगाया बैड। फोटो : हरिभूमि

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड सुधारीकरण में हो रही देरी पर स्वास्थ्य प्रशासन सख्त हुआ है। मरीजों को ह रही परेशानी को देखते हुए स्वास्थ्य प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए डेडलाइन तय कर दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हर हाल में सोमवार तक एमरजेंसी को पूरी तरह तैयार कर लिया जाए ताकि मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। फिलहाल एमरजेंसी में बैड लगा दिए गए हैं और इनमें ऑक्सीजन इंस्टालेशन करवानी रह गई है।

चिकित्सकों के कैबिन भी बन कर तैयार हैं। जो थोड़ा बहुत सिविल वर्क तैयार है, उसको जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

दस बैड की इमरजेंसी को किया जा रहा 20 बैड की

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए एमरजेंसी वार्ड का विस्तार किया जा रहा है। वार्ड में पहले की 10 बेड की क्षमता को बढ़ा कर 20 बेड किया गया है ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीजों को त्वरित और बेहतर उपचार मिल सकेगा। फिलहाल मरीजों की परेशानी को देखते हुए पिछले 15 दिनों से ही वार्ड के सामने ही खुले हॉल को ही एमरजेंसी बना दिया गया और यहां बैड व कटन लगा कर मरीजों का उपचार किया जा रहा है। वहीं नागरिक अस्पताल में लगभग 15 करोड़ की लागत से जीर्णोद्धार का कार्य भी चला हुआ है।

खुले में चल रही इमरजेंसी से बढ़ रही परेशानी

पिछले एक पखवाड़े से अस्पताल की एमरजेंसी खुले में चल रही है। जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं से आमजन का गुजरना भी है। जिसके चलते कई बार गंभीर मरीजों के उपचार में बाधा आ रही है और कई मरीजों को असुविधाजनक हालात में उपचार भी करना पड़ता है। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक यह स्थिति निर्माण कार्यों या अन्य तकनीकी कारणों से उत्पन्न हुई हैए लेकिन अब इसे तुरंत सुधारने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। एमरजेंसी वार्ड को तैयार करने के लिए बैड लगाने का काम शुरू हो गया है। साथ ही प्रत्येक बैड पर ऑक्सीजन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की कवायद भी जोरों पर है। हर हाल में सोमवार तक ऑक्सीजन की व्यवस्था पूरी करवा कर एमरजेंसी को शुरू करवया जाएगा।

इमरजेंसी वार्ड में सभी तरह के कार्य पूरे

इमरजेंसी मरीजों के उपचार सुविधा के लिए उठाया कदम : पीएमओ नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि इस समय अस्पताल के जीर्णोद्धार के साथ-साथ इमरजेंसी को बढाने का कार्य किया जा रहा है। एमरजेंसी में कार्य चला होने के चलते मरीजों को उपचार में किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए कुछ समय के लिए वार्ड के सामने ही हॉल को एमरजेंसी बना दिया गया है। सोमवार तक इमरजेंसी वार्ड में सभी तरह के कार्य पूरे कर इसे शुरू करवाया जाएगा।

ओवर लोड वाहन बन रहे परेशानी

सड़क हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

सीवन। दुर्घटना के बाद सीवन में खड़ी क्षतिग्रस्त कार।

क्षेत्र में पराली के बंडल ढोने वाली ट्रॉलियों की लापरवाह आवाजाही लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। इन ट्रॉलियों की चौड़ाई और तेज रफ्तार के कारण सड़क पर दूसरे वाहनों के निकलने की जगह तक नहीं बचती, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। ऐसा ही एक हादसा शनिवार को सीवन से सोथा रोड पर हुआ, जिसमें पराली से भरी ट्रॉली ने एक कार से साइड से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पराली से लदी ट्रॉली तेज गति से सीवन की ओर आ रही थी। सड़क पर जगह कम होने के कारण वह कार से साइड में टकरा गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि वाहन चालक को स्थानीय लोगों ने बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। कार मालिक जसवीर सिंह ने बताया कि वह अपने वाहन से सीवन से पहाड़पुर की ओर जा रहे थे। सीवन-सौथा के बीच सामने से तेज रफ्तार ट्रॉली आई और लापरवाही से गाड़ी को टक्कर मार दी। लोगों का कहना है कि पराली बंडल से भरी ये ट्रॉलियां न केवल सड़क यातायात में बाधा बन रही हैं

नियमों की अनदेखी करने वालों पर होगी कार्रवाई

सीवन थाना प्रभारी संदीप कुमार ने कहा कि पराली ढोने वाली ट्रॉलियों और ट्रैक्टर चालकों को ओवरलोडिंग न करने और सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए सख्त हिदायत दी गई है। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

सीआईए पुलिस ने दुकान से लाखों की नकदी चुराने के दो आरोपित दबोचे

गिरफ्तार दो आरोपियों ने पुलिस रिमांड के दौरान सात दुकानों से नकदी चोरी की सात वारदात करना कबूल की है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। पुलिस गिरफ्त में दोनों आरोपी।

दुकान से नकदी चोरी मामले में सीआईए-1 पुलिस द्वारा गिरफ्तार दो आरोपियों ने पुलिस रिमांड के दौरान 7 दुकानों से नकदी चोरी की 7 वारदात करना कबूल की है। दोनों आरोपी हरियाणा व पंजाब के विभिन्न जिलों में दुकानों से नकदी चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। आरोपी पहले दुकान पर जाकर दुकानदार को सामान देखने के बहाने बातों में लगाते थे। इसके बाद दुकान पर रखे गल्ले से नकदी चोरी करते हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव किठाना निवासी योगिंद्र सिंह ने शिकायत दी थी कि उनकी जींद कैथल रोड़ गांव किठाना में महादेव सीमेंट स्टोर के नाम से दुकान हैं। 28 सितंबर को करीब दोपहर के 2 बजे उसकी दुकान पर बाइक सवार 2 युवक स्लोचन लेने आए। उन्हें बंद डिब्बी स्लोचन की दे दी। उनके बकाया पैसे वापस करते समय उन्होने गल्ले में रखे पैसे देख लिए। बाद में सामान देखने के बहाने उसे बातों में लगा लिया। जिसके बाद दोनों युवक बाइक पर सवार होकर भाग गए। मुझे शक होने पर दुकान का गल्ला चेक किया तो गल्ले में रखे 3 लाख रुपये की नकदी गायब थी।

रजबाहा रोड पर गड्ढों से मिलेगा चालकों व राहगीरों को छुटकारा

- करीब 2.52 किलोमीटर की सड़क पर करीब 75 लाख रुपये की राशि खर्च होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

उचाना। रिपेयर के तहत रजबाहा रोड सड़क पर कार्य।

गड्ढों में तबदील हो चुके उचाना शहर के प्रमुख रजबाहा रोड पर अब वाहन चालकों को आने वाली परेशानी दूर होगी। पीडब्लयूडी द्वारा गड्ढों से वाहन चालकों, राहगीरों को छुटकारा दिलाने के लिए स्पेशल रिपेयर के तहत कार्य शुरू कर दिया है। नेशनल हाइवे से लेकर रेलवे माल गोदाम तक सड़क की स्पेशल रिपेयर होगी। करीब 2.52 किलोमीटर की सड़क पर करीब 75 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। यहां पर गड्ढे बनने से वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। शहर में नेशनल हाइवे से आने के लिए प्रमुख रास्ता है। वाहन चालक जाम से बचने के लिए भी इस रास्ते से मंडी में आते-जाते है। वाहन चालक राजू, अमन, देव ने कहा कि शहर का प्रमुख रजबाहा रोड गड्ढों में तबदील हो चुका है। यहां पर सड़क कम गड्ढे अधिक थे। गहरे गड्ढे होने से वाहन चालकों के अलावा राहगीरों को भी आने-जाने में परेशानी हो रही है। काफी समय से नए सिरे से निर्माण या स्पेशल रिपेयर की मांग विधायक से की थी।

रिपेयरिंग का चल रहा काम

पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ विक्रम सिंह ने बताया कि स्पेशल रिपेयर के तहत कार्य चल रहा है। करीब 2.52 किलोमीटर की सड़क की स्पेशल रिपेयर पर करीब 75 लाख रुपए की राशि खर्च होगी।

जींद। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो :हरिभूमि

लिफ्ट लेकर बाइक चोरी करने का आरोपित दबोचा

जींद। सदर थाना पुलिस ने गांव तलौडा के निकट बाइक चोरी करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से चोरीशुदा बाइक को बरामद किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव खेड़ा खेमावती निवासी प्रदीप ने गत 13 सितंबर को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह बाइक पर सवार होकर अपनी रिश्तेदारी में गांव झांज कलां जा रहा था। रास्ते में एक युवक ने उससे लिफ्ट ले ली। गांव तलौडा के निकट शौच करने के लिए रूक गया। उसी दौरान आरोपित उसकी बाइक लेकर फरार हो गया। सदर थाना पुलिस ने प्रदीप की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया था। सदर थाना पुलिस गांव अमरहेड़ी के निकट वाहनो की जांच कर रही थी। उसी दौरान उन्होंने बाइक सवार को रोक कर दस्तावेज मांगे। जो दिखाने में नाकाम रहा। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए युवक की पहचान गांव सिंध्वीखेड़ा निवासी संजय के रूप में हुई। आरोपित ने स्वीकार किया कि उसने बाइक को गांव तलौडा के निकट चोरी किया था। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

त्योहारों में सुरक्षा पर जींद पुलिस की दोहरी मुहिम

- सड़क पर सतर्कता और बाजारों में सुरक्षा की दृष्टि से उठाए सख्त कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। व्यापारियों के साथ बैठक करते हुए डीएसपी।

पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के दिशा-निर्देशन में ट्रेफिक पुलिस ने ड्रिंक एंड ड्राइव पर अभियान चलाया। वहीं दूसरी ओर उप पुलिस अधीक्षक जींद संदीप कुमार ने व्यापारियों की बैठक लेकर बाजारों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया। उप पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार ने आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए व्यापारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी दुकानदारों और व्यापारिक संगठनों से कहा कि बाजारों में सीसी टीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था सक्रिय रखें। दुकानों और गोदामों को समय पर सुरक्षित बंद करें तथा संदिग्ध व्यक्तियों की तुरंत सूचना पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस की गश्त बढ़ाई गई है ताकि चोरी, जेब तराशी या किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई हो सके।

ड्रिंक एंड ड्राइव एक गंभीर अपराध

पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने कहा कि ड्रिंक एंड ड्राइव एक गंभीर अपराध है। जो न केवल चालक बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के लिए भी खतरा बनता है। पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि त्योहारों की खुशी होश में रह कर मनाएं ताकि किसी की जिंदगी पर हादसे की परछाई न पड़े।

गुहला चीका। जांच करते विजिलेंस अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

विजिलेंस का एक्शन, गुणवत्ता- मोटाई की जांच प्रारंभ

गुहला-चीका। उरलाना माइनर में भ्रष्टाचार की आशंका को लेकर स्टेट विजिलेंस पंचकूला की टीम ने शुक्रवार को मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। यह कार्रवाई गुहला के विधायक दविंदर सिंह हंस द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर की जा रही है, जो डीजीपी हरियाणा को सौंपी गई थी। शिकायत में माइनर निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। इसी को संज्ञान में लेते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम पीड़ल पहुंची और मौके पर जांच शुरू की।विजिलेंस टीम का नेतृत्व कर रहे जयसिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्य की क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों की जांच की जा रही है। मोटाई (थिकनेस) की प्राथमिक जांच में अब तक कार्य संतोषजनक पाया गया है, लेकिन गुणवत्ता की पक्की पुष्टि के लिए सैंपल लैब में भेजे जा रहे हैं। जांच की पूरी प्रक्रिया शिकायतकर्ता के प्रतिनिधि की मौजूदगी में पारदर्शिता से की जा रही है। विजिलेंस की टीम द्वारा रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

राज्य कृषि विपणन मंडल की टीम ने किया मंडियों का निरीक्षण

खामियां मिलने पर पांच आढ़तियों पर ठेका जुर्माना

खरीदे गए धान की एच-वन रजिस्टर में एंट्री नहीं मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। अनाज मंडी में धान की जांच करते हरियाणा राज्य कृषि विपणन मंडल के सदस्य।

हरियाणा राज्य कृषि विपणन मंडल की टीम ने शनिवार को कैथल की नई अनाज मंडी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान आढ़तियों द्वारा खरीदे गए धान की एच-वन रजिस्टर में एंट्री नहीं पाई गई। इस पर टीम द्वारा 5 आढ़तियों को 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।इसके साथ ही कई अन्य आढ़तियों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही मिलने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण टीम का नेतृत्व जिला जींद के डीएमईओ श्रीभगवान मौदगिल ने किया। उन्होंने गेट पास एंट्री रजिस्टर व पास काटने के लिए बनाए गए बूथों पर भी जांच की। इस मौके पर मौजूद किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। टीम ने नमी मापने वाले मीटर, नापतोल उपकरणों और सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की। मंडी की साफ-सफाई का निरीक्षण करते अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भाकियू ने पहले चेताया था

भारतीय किसान यूनियन के वरिष्ठ नेता राजीव आर्य का कहना था कि वे इस बारे में पहले ही उच्चाधिकारियों को अवगत करवा चुके हैं लेकिन मिलीभगत से यह खेल चल रहा है। उच्चाधिकारियों को चाहिए वे इसकी सही तरीके से जांच करें तो यह धंधा सैकडों आढ़तियों द्वारा किया जा रहा है।

15 हजार रुपये का जुर्माना

मार्केट कमेटी कैथल के सचिव नरेंद्र दुल ने बताया कि कृषि विपणन मंडल टीम ने शहर की तीनों अनाज मंडियों का निरीक्षण किया। नई अनाज मंडी में कुछ खामियां मिलीं, जिनमें पांच आढ़तियों ने उनके द्वारा खरीदे गए धान की एच-वन रजिस्टर में एंट्री नहीं की गई थी। इस पर 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

टीम ने बताया कि इन दिनों मंडियों में पीआर और 1509 किस्म के धान की आवक जारी है। तीन दिन पहले हुई वर्षा के कारण आवक में कमी रही, लेकिन सोमवार से इसके बढ़ने की उम्मीद है।

स्टेप अप एसआईपी : बच्चे की पूरी पढ़ाई फ्री, फिर भी 50 लाख बचेंगे

भविष्य | बिजनेस डेस्क

अगर आपको भी बच्चे की पढ़ाई और अन्य खर्च से समय रहते मुक्ति पानी है तो आपके लिए स्टेप अप एसआईपी एक अहम निवेश का विकल्प साबित हो सकती है। इसके जरिये निवेश करने से आपको बड़ी राहत मिलेगी। स्कूल की बढ़ती फीस और हायर एजुकेशन की चिंता अक्सर अभिभावकों को सताती हैं। निवेश के जानकारों का कहना है कि समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो इस टेंशन को 'बाय-बाय' कहा जा सकता है। इसके लिए आपको एसआईपी के जरिये निवेश करना होगा और इसे बढ़ाते जाना होगा। यह योजना आपके बच्चे की शिक्षा का खर्च उठा सकती है। साथ ही, बच्चे के 22 साल का होने तक आपके पास 50 लाख रुपये से ज्यादा बच सकते हैं। इसके लिए आपको बच्चे के जन्म से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी। इसे 10 साल तक हर साल 10% बढ़ाना होगा। 10 साल बाद कॉन्ट्रिब्यूशन बंद कर देना है। फिर बच्चे की 10 से 22 साल की उम्र तक हर महीने 25,000 रुपये निकालने हैं। यह सब बिना किसी एजुकेशन लोन के संभव है।

यह दिया सुझाव

99% माता-पिता बिना किसी स्कीम के स्कूल फीस पर लाखों रुपये खर्च करते हैं। 'क्या हो अगर 10 साल की एसआईपी आपके बच्चे की शिक्षा को लगभग मुफ्त में फंड कर सके... और फिर भी उनके सपनों के लिए लाखों छोड़ जाए?' उन्होंने एक स्टेप-अप एसआईपी स्ट्रैटेजी का सुझाव दिया है। यह स्ट्रैटेजी महंगे एजुकेशन लोन की जगह ले सकती है। यह लंबी अवधि की वित्तीय योजना है।

कैसे काम करती है स्कीम?

यह योजना इस तरह काम करती है। जब आपका बच्चा पैदा हो तब हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करें। अगले 10 सालों तक हर साल एसआईपी की राशि को 10% बढ़ाएं। 10 साल पूरे होने के बाद एसआईपी में पैसा डालना बंद कर दें। जब बच्चा 10 साल का हो जाए तब से 22 साल का होने तक हर महीने 25,000 रुपये निकालें। यह पैसा बच्चे की फीस के लिए होगा। इस योजना में 12% सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) मानी गई है।

क्या है पूरा गणित?

निवेश के गणित के अनुसार, आप 10 साल में कुल 19.12 लाख रुपये का निवेश करेंगे। तब तक यह राशि बढ़कर 32.69 लाख रुपये हो जाएगी। अगले 12 सालों में आप एजुकेशन के लिए कुल 36 लाख रुपये निकालेंगे। इसके बावजूद आपके खाते में 51 लाख रुपये बचे रहेंगे। उन्होंने कहा, 'पैसे निकालते समय भी कंपाउंडिंग काम करती है।' इसका मतलब है कि बचा हुआ पैसा बढ़ता रहता है। इससे भुगतान के दौरान भी धन बढ़ता रहेगा।

दंग कर देने वाले रिजल्ट

इस योजना की तुलना एजुकेशन लोन से करें। 36 लाख रुपये के एजुकेशन लोन पर 11% ब्याज दर से 10 साल के लिए ईएमआई लगभग 50,000 रुपये प्रति माह होगी। यह एसआईपी से निकाली गई राशि से दोगुना है। इसमें ब्याज का भारी बोझ भी होता है। कौशिक ने कहा कि यह रणनीति आपकी आय वृद्धि से मेल खाती है। उन्होंने बताया, '10 हजार रुपये महीने से शुरू करें और 10वें साल तक आप सालाना 2.8 लाख रुपये का निवेश कर रहे होंगे जो प्रमोशन और वेतन वृद्धि के अनुरूप है।' उनके कुछ सुझाव भी हैं। कम लागत वाले इंडेक्स फंड का उपयोग करें। आपात स्थितियों के लिए हमेशा कुछ लिक्विडिटी बनाए रखें। अपनी प्रगति की सालाना समीक्षा करते रहें। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, '10 साल के लिए एक अनुशासित, स्टेप-अप एसआईपी एक दशक के ओवरटाइम से कहीं ज्यादा कर सकती है।' यह तनाव-मुक्त और स्मार्ट कंपाउंडिंग का तरीका है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- सीए ने निवेशकों को बताया क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले नफे-नुकसान का गणित
- क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं तो इस पर लगने वाले टैक्स के बारे में भी जान लें

100 रुपये प्रॉफिट कमाने के बाद 100 रुपये गंवाने पर भी चुकाने होंगे 30 रुपये

क्रिप्टो नहीं, टैक्स का मायाजाल पैसे गंवाए तो भी देना होगा कर

अगर आप बाजार में शॉर्ट टर्म निवेश करना चाहते हैं तो आपके कुछ स्कीम बाजार में मौजूद हैं। इनमें रिटर्न भी बढ़िया मिलता है इसे लिक्विड फंड के नाम से जाना जाता है। ऐसे निवेश में पैसा उन सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जिनकी मैच्योरिटी 91 दिनों से अधिक नहीं होती है। निवेशकों का पैसा इसके जरिए मनी मार्केट, शॉर्ट टर्म कॉरपोरेट डिपॉजिट और ट्रेजरी में लगाया जाता है।

देश में कई सालों से लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं। कई तो इससे मोटा मुनाफा भी कमा चुके हैं और कई अपनी जमापूंजी गंवा चुके हैं। लेकिन अब सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नियम कड़े कर दिए हैं। क्रिप्टोकरेंसी में होने वाली कमाई पर 30 फीसदी का टैक्स लगता है। खास बात यह है कि आपने क्रिप्टोकरेंसी में 100 रुपये का प्रोफिट कमाया और बाद में उसे इसी एसेट्स में गंवा दिया तो भी आपको 30 रुपये टैक्स देना होगा। पिछले कुछ सालों में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। वहीं पिछले साल डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीता था। तब से क्रिप्टो में और तेजी देखने को मिली है। इसे देखते हुए अब काफी भारतीय बिटकॉइन, इथेरियम, बाइनेंस, डॉगकॉइन आदि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने लगे हैं। चूंकि क्रिप्टोकरेंसी पर किसी भी सरकार का केंद्रीय बैंक का कंट्रोल नहीं है, ऐसे में इसमें होने वाले प्रॉफिट पर भारत में टैक्स से जुड़े नियम काफी सख्त हैं। दरअसल, क्रिप्टोकरेंसी में टैक्स का नियम कुछ ऐसा है कि इसमें पैसे कमाने पर ही नहीं बल्कि पैसे गंवाने पर भी इनकम टैक्स चुकाना पड़ सकता है। फिर चाहे आपका पूरा पोर्टफोलियो घाटे में ही क्यों ना चल रहा हो। भारत के सख्त क्रिप्टो टैक्स नियमों के तहत, निवेशकों को हर रुपये के मुनाफे पर फ्लैट 30% टैक्स देना होता है, भले ही कुल मिलाकर नुकसान हुआ हो। एक्सपर्ट का कहना है कि यह सिस्टम दुनिया के सबसे कठोर नियमों में से एक है, जिससे भारतीय क्रिप्टो निवेशकों को राहत मिलने की गुंजाइश बहुत कम है। इस टैक्स सिस्टम को लेकर एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने अपनी राय रखी और क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को अगाह किया है कि इसमें सोच समझकर ही निवेश करें, वरना यह घाटे का सौदा हो सकता है।

क्रिप्टो टैक्सेशन की बताई सच्चाई

एक सीए ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टो टैक्सेशन की सच्चाई बताई है। उन्होंने पोस्ट के जरिए मैसेज दिया है कि भले ही आपने क्रिप्टो में 100 रुपये गंवाए हों, आपको 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने पड़ सकते हैं। उन्होंने समझाया कि मान लीजिए कि आपने एक ही वित्तीय वर्ष में बिटकॉइन पर 100 रुपये का मुनाफा कमाया, लेकिन इथेरियम पर 200 रुपये का नुकसान उठाया। किसी भी दूसरे निवेश में आपको कुल 100 रुपये का नुकसान होता। लेकिन क्रिप्टो में ऐसा नहीं है। बिटकॉइन से हुई 100 रुपये की कमाई पर आपको 30% यानी 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने होंगे। फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इथेरियम या किसी दूसरी क्रिप्टो से आपको कितना नुकसान हुआ है। ऐसे में आपको कुल 130 रुपये की चपत लगेगी।

क्या है क्रिप्टो से जुड़े नियम

- आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच के तहत क्रिप्टो एसेट्स के लिए कुछ खास और कड़े नियम हैं।
- नुकसान की भरपाई नहीं (आप एक क्रिप्टो नुकसान को दूसरे मुनाफे से नहीं काट सकते)।
- नुकसान आगे नहीं ले जा सकते (इसे समायोजित नहीं कर सकते)।
- अधिग्रहण की लागत को छोड़कर कोई कटौती नहीं।
- ट्रेडिंग फीस जैसे चार्ज भी नहीं घटाए जाते
- इथेरियम पर 200 रुपये के नुकसान को अनदेखा कर दिया जाएगा और बिटकॉइन पर हुए 100 रुपये के मुनाफे पर 30% यानी 30 रुपये टैक्स देना होगा।
- कुल मिलाकर 130 रुपये का नुकसान होगा। यहां तक कि ट्रेडिंग फीस, गैस चार्ज, माइनिंग की लागत, या एक्सचेंज कमीशन जैसी चीजें आपके टैक्सेबल मुनाफे से नहीं घटाई जा सकतीं।

क्या है क्रिप्टोकरेंसी

क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल या वर्चुअल मुद्रा है जो कंप्यूटर नेटवर्क पर सुरक्षित और विकेंद्रीकृत तरीके से काम करती है। यह पारंपरिक मुद्राओं की तरह नहीं है, जो सरकारों द्वारा नियंत्रित और जारी की जाती हैं।

विशेषताएं

1. विकेंद्रीकृत : क्रिप्टोकरेंसी किसी एक केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित नहीं होती है।
2. डिजिटल : यह पूरी तरह से डिजिटल रूप में मौजूद होती है।
3. क्रिप्टोग्राफी : सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
4. ब्लॉकचेन : अधिकांश क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित होती हैं।
5. सीमित आपूर्ति : कई क्रिप्टोकरेंसी की आपूर्ति सीमित होती है।

प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी

1. बिटकॉइन : पहली और सबसे प्रसिद्ध क्रिप्टोकरेंसी।
2. एथेरियम : स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए जानी जाती है।
3. रिपल : अंतर्राष्ट्रीय भुगतान के लिए उपयोग।
4. लाइटकॉइन : बिटकॉइन का एक वैकल्पिक।
5. कार्डानो : शोध-आधारित ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म।

उपयोग

1. डिजिटल भुगतानः ऑनलाइन लेनदेन के लिए।
2. निवेशः कई लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं।
3. विकेंद्रीकृत अनुप्रयोग : एथेरियम जैसे प्लेटफॉर्म पर।
4. सीमापार लेनदेनः पारंपरिक तरीकों की तुलना में तेज और सस्ता।

जोखिम

1. अस्थिरताः कीमतें बहुत तेजी से बदल सकती हैं।
2. सुरक्षा जोखिमः हैकिंग और चोरी का खतरा।
3. नियामक अनिश्चितताः विभिन्न देशों में नियम अलग-अलग हैं।
4. घोटालेः फ्रॉड और स्कैम का खतरा।
5. तकनीकी जोखिमः तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं।

दिवाली बोनस का करें सही इस्तेमाल कर सकते हैं अपने लिए बड़ी बचत

म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट प्लान या कर्ज चुकाने में लगाएं, जरूरतों के लिए 30%, इच्छाओं के लिए- 30%, वेल्थ बनाने के लिए-40% प्रयोग करें

तोहफा | बिजनेस डेस्क

दिवाली को महज कुछ दिन ही शेष बचे हैं। ऐसे में हर साल दिवाली पर ज्यादातर कंपनियां अपने कर्मचारियों को बोनस देती हैं। यह बोनस हमारे लिए खुशियों का तोहफा भी होता है, साथ ही अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का मौका भी। हालांकि अक्सर होता यह है कि जैसे ही बोनस हाथ में आता है, हम शॉपिंग, नई चीजें खरीदने और शौक पूरे करने में पैसा खर्च कर देते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस पैसे का स्मार्ट उपयोग क्या हो सकता है। इसका आप कहां सही इस्तेमाल कर सकते हैं। कैसे अपनी वेल्थ बना सकते हैं या कर्ज उतार सकते हैं।

स्मार्ट तरीके से बांटें : सही बैलेंस बनाएं

बोनस को खर्च करने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि इसे दो हिस्सों में बांट लें-एक हिस्सा त्योहार मनाने के लिए और दूसरा भविष्य की जरूरतों के लिए। बाजार के जानकारों के अनुसार बोनस का 50% हिस्सा त्योहार और लाइफस्टाइल पर खर्च करें और बाकी 50% म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट या कर्ज चुकाने जैसे लॉन्ग-टर्म गोल्स के लिए रखें। अगर आपके ऊपर ज्यादा जिम्मेदारियां हैं, तो तीन हिस्सों में बांट सकते हैं। जैसेः-

■ जरूरतों के लिए- 30%■ इच्छाओं के लिए- 30%■ वेल्थ बनाने के लिए- 40%

जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें।

इसे बांटने का हर किसी का तरीका अलग हो सकता है। 'अपने बोनस को अपनी जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें। अगर आपके ऊपर हाई-इंटरेस्ट कर्ज है, तो 60-70% बोनस उसको चुकाने में लगाएं।'

"'बोनस को बांटने की प्रक्रिया में परिवार को जरूर शामिल करें, ताकि हर कोई मस्ती और अनुशासन के बीच बैलेंस समझे।' इस तरह समझदारी से खर्च और स्मार्ट निवेश के साथ आपका दिवाली बोनस न सिर्फ त्योहार को खास बनाएगा, बल्कि आपके भविष्य को भी बेहतर बनाने के काम आ सकता है।

हाई-इंटरेस्ट कर्ज चुकाएं

अपने बोनस का कुछ हिस्सा क्रेडिट कार्ड के बिल, पर्सनल लोन या किसी भी हाई-इंटरेस्ट कर्ज को चुकाने में लगाएं। इससे भविष्य में आपका पैसा बचेगा। 'सबसे पहले अपने कर्ज की लिस्ट बनाएं, सबसे ज्यादा इंटरेस्ट वाले कर्ज को पहले चुकाएं। यहां तक कि आंशिक पेमेंट भी लोन की अवधि और टोटल इंटरेस्ट को कम कर सकता है।' अगर आपके पास महंगा कर्ज है, तो नए निवेश से पहले इसे चुकाना प्रायोरिटी होनी चाहिए।

निवेश की स्ट्रैटजी

निवेश के लिए ऑप्शन्स आपकी जरूरतों पर निर्भर करते हैं। '3 साल से कम की अवधि के लिए लिक्विड फंड्स या रिकरिंग डिपॉजिट्स में निवेश करें। मीडियम से लॉन्ग-टर्म के लिए डायवर्सिफाइड इक्विटी म्यूचुअल फंड्स या इंडेक्स फंड्स चुनें।' अपने पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन के लिए सोवरेन गोल्ड बॉन्ड्स या गोल्ड ईटीएफ भी जोड़ सकते हैं। महत्वपूर्ण है कि रिटर्न और लिक्विडिटी में बैलेंस बनाएं, ताकि आपका शॉर्ट-टर्म पैसा रिस्क में न आए। दिवाली बोनस आपके फाइनेंशियल गोल्स को तेजी से पूरा करने का मौका है। 'बोनस या तो एक हफ्ते की शॉपिंग में खत्म हो सकता है या सालों तक आपके लिए काम कर सकता है। इसे फाइनेंशियल फिटनेस का बूस्टर समझें।'

सेलिब्रेशन के लिए बजट बनाएं

त्योहार की खुशी फाइनेंशियल टेंशन में न बदल जाए इसके लिए सही बजट बनाना जरूरी है। 'पहले अंदाजा लगाएं कि त्योहार में कितना खर्च होगा-गिफ्ट्स, घूमने-फिरने, सजावट, ट्रैवल और धार्मिक रस्मों पर।' इस खर्च को अपने बोनस और रेगुलर इनकम के साथ मिलाकर देखें। इससे आपको एक फिक्स्ड बजट मिलेगा और आप बाकी पैसों को पहले ही निवेश में डालकर अपने गोल्स को प्रायोरिटी दे सकते हैं।

स्मार्ट तरीके से सेलिब्रेट करें

त्योहारों में ओवरस्पेंडिंग का खतरा हमेशा रहता है। 'बोनस को 'एक्स्ट्रा' पैसा समझकर फूंक न दें।' क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन लेकर शॉपिंग करना तो बिल्कुल अवॉइड करें, क्योंकि इनके इंटरेस्ट रेट्स बहुत ज्यादा होते हैं और ये कर्ज के जाल में फंसा सकते हैं। बिना कर्ज के सेलिब्रेशन के लिए क्रिएटिव तरीके अपनाएं। 'पॉटलक गैदरिंग्स करें, दीया डेकोरेशन बनाएं या अर्ली-बर्ड ट्रैवल डील्स का फायदा उठाएं।'

'फंड ऑफ फंड्स' में करें निवेश, दोनों हाथों में रहेंगे लड्डू

बिजनेस डेस्क

सोना और चांदी की कीमत इस समय रॉकेट की रफ्तार से भाग रही है। वहीं, फेस्टिव सीजन के कारण इसकी कीमत में और तेजी आ सकती है। अगर आप धनतेरस पर सोना और चांदी दोनों में निवेश करना चाहते हैं तो 'कॉम्बो फंड ऑफ फंड्स' एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकते हैं। दरअसल, इस समय म्यूचुअल फंड कंपनियां निवेशकों को दोनों धातुओं में आसानी से निवेश करने का मौका दे रही हैं। इसके लिए वे डुअल-एसेट पैसिव फंड्स (ऐसे फंड जो सोने और चांदी दोनों में निवेश करते हैं) लॉन्च कर रही हैं। पिछले दो साल में सोने की कीमत करीब दोगुनी हो गई है। वहीं, औद्योगिक मांग और सप्लाई में कमी के कारण चांदी भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में निवेशक महंगाई से बचने और अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए गोल्ड और सिल्वर फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) की ओर रुख कर रहे हैं।

अलग-अलग निवेश की जरूरत नहीं

डुअल-एसेट पैसिव फंड्स में निवेश के बाद सोना और चांदी, दोनों में अलग-अलग निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। यानी आप फिजिकल सोना-चांदी खरीदे या अलग-अलग ईटीएफ में निवेश किए बिना दोनों की तेजी का फायदा उठा सकते हैं। इस नई कैटेगरी में चार बड़े फंड्स सामने आए हैं। इनमें कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ और मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ शामिल हैं।

1. कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

- यह फंड 20 अक्टूबर 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। निवेशक सिर्फ 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं।
- इसका मकसद कोटक गोल्ड ईटीएफ और कोटक सिल्वर ईटीएफ में निवेश करके लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न कमाना है।
- यह एफओएफ एक खास क्वांटिटेटिव मॉडल का इस्तेमाल करता है। यह मॉडल सोने और चांदी की कीमतों के उतार-चढ़ाव के आधार पर अपने आप तय करता है कि किस धातु में कितना पैसा लगाना है।

2. मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

इस फंड में शुरुआत में 50:50 का आवंटन होता है, लेकिन सोने-चांदी के अनुपात (गोल्ड-सिल्वर रेश्यो) व महंगाई, ग्लोबल ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती जैसे बड़े आर्थिक संकेतकों के आधार पर यह अनुपात बदलता रहता है। इस फंड का एक्सपेंस रेशियो 0.18% है और 7 अक्टूबर 2025 तक इसका एयूएम (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट- फंड में कुल जमा राशि) 67 करोड़ रुपये था।

3. एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड सितंबर 2022 में लॉन्च हुआ था। यह भारत का सबसे पुराना डुअल-मेटल फंड है और हाल के दिनों में धातुओं की तेजी से इसने काफी फायदा उठाया है। इसमें 500 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह फंड सोने और चांदी में लगभग बराबर हिस्सेदारी रखता है यानी 49.98% सोने में और 49.83% चांदी में। फंड ने पिछले एक साल में 57.9% का रिटर्न दिया है और पिछले तीन सालों में सालाना 31.97% का रिटर्न दिया है।

4. मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड अक्टूबर 2022 में लॉन्च हुआ था और इसने पिछले दो सालों में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। यह फंड 69.34% आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ में और 30.17% निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ में निवेश करता है। इसका एयूएम 244.32 करोड़ रुपये है, एक्सपेंस रेशियो 0.15% है और कोई एग्जिट लोड नहीं है। फंड ने पिछले एक साल में 59.7% का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले दो सालों में सालाना 18.1% का सीएजीआर व पिछले तीन सालों में सालाना 11.6% का रिटर्न दिया है।

एफडी साइलेंट वेल्थ ट्रैप, सिर्फ इससे ही नहीं बन पाओगे अमीर दूसरे विकल्पों पर भी दें ध्यान

सुझाव | बिजनेस डेस्क

अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश को ही असली निवेश समझते हैं तो आप गलत हो सकते हैं। एक एक्सपर्ट ने एफडी में निवेश को 'साइलेंट वेल्थ ट्रैप' बताया है। यानी एक ऐसा जाल जिसमें आप अमीर बनने के लिए जाते हैं, लेकिन अंत में फंस जाते हैं। क्योंकि सिर्फ एफडी में निवेश करके अमीर नहीं बना जा सकता। एक्सपर्ट ने इसका कारण भी बताया है। जानकारों का कहना है कि बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ एफडी में निवेश करना सही नहीं है। उन्होंने उन लोगों को भी चेतावनी दी है जो एफडी में निवेश को ही असली निवेश समझ लेते हैं। वह बताते हैं कि यह जाल तब बनता है जब लोग अपना ज्यादातर पैसा एफडी में रखते हैं। वे महंगाई के असर और पैसे बढ़ाने के मौकों को नजरअंदाज कर देते हैं। एफडी में आपका पैसा तो सुरक्षित रहता है, लेकिन आपको रिटर्न बेहद कम मिलता है। इसलिए सिर्फ एफडी के भरोसे नहीं रहें। निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशे।

निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशें, तभी बढ़ा पाएंगे पैसा

यह मिलता है ब्याज

आज एफडी की सालाना दरें लगभग 6.3% से 7% हैं, जबकि महंगाई करीब 2.1% है। आपकी असली कमाई लगभग 4.2 से 4.9% प्रति वर्ष है।' अगर आप 10 लाख रुपये एफडी में रखते हैं, तो एक साल बाद उसकी असली खरीदने की ताकत सिर्फ 10.42 लाख रुपये ही रह जाती है। इसका मतलब है कि आपका पैसा असल में बहुत कम बढ़ता है।

लोगों को एफडी पर भरोसा क्यों

भारत के लगभग 70% परिवार अभी भी एफडी को ही अपनी बचत का मुख्य जरिया मानते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों को इसमें पैसे की पूरी सुरक्षा का भरोसा मिलता है। साथ ही, उन्हें पैसे के लेन-देन की कम जानकारी होती है और वे बाजार के उतार-चढ़ाव से डरते हैं।

यह दी चेतावनी

उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा का यह भरोसा तभी तक सही है जब तक महंगाई कम रहती है। उन्होंने लिखा कि अगर महंगाई आपकी एफडी से मिलने वाले रिटर्न से ज्यादा हो जाती है तो आपकी असली दौलत कम होने लगती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वित्तीय सुरक्षा लापरवाही से नहीं, बल्कि निवेश को अलग-अलग जगह बांटने से मिलती है।

निवेश का तरीका बताया

एक संतुलित निवेश का तरीका सुझाया। इसमें फिक्स्ड डिपॉजिट के साथ शेयर बाजार (जिसने पहले 12 से 15% सीएजीआर का रिटर्न दिया है), डेट फंड (6.5 से 8%) और महंगाई से बचाने वाले निवेश जैसे सोना या आरईआईटीएस को शामिल करना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि अपने निवेश को एक ही जगह न रखकर अलग-अलग जगह बांटें।

ये हैं निवेश के विकल्प

1. **शेयर बाजार (इक्विटी)- शेयर :** कंपनियों के हिस्सेदारी वाले शेयर।
   - **म्यूचुअल फंड :** पेशेवर प्रबंधन वाले फंड जो विविध शेयरों में निवेश करते हैं।
   - **ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड):** शेयर बाजार में ट्रेड होने वाले फंड।
2. **फिक्स्ड इनकम निवेश- फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी):** बैंकों में निश्चित अवधि के लिए जमा।
   - **बॉन्ड:** कंपनियों या सरकार द्वारा जारी कर्ज साधन।
   - **डेब्ट म्यूचुअल फंड:** बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।

ये हैं निवेश के विकल्प

3. **रियल एस्टेट- आवासीय संपत्ति :** घर या फ्लैट।
   - **वाणिज्यिक संपत्ति :** ऑफिस, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स।
   - **आरईआईटी (रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट):** रियल एस्टेट में निवेश के लिए ट्रेडेबल यूनिट्स।
4. **सोना और कीमती धातुएं-भौतिक सोना :** सिक्के, बार।
   - **गोल्ड ईटीएफ :** सोने में निवेश के लिए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड।
   - **सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड:** सरकार द्वारा जारी।
5. **म्यूचुअल फंड- इक्विटी फंड:** शेयर बाजार में निवेश।
   - **हाइब्रिड फंड:** इक्विटी और डेट का मिश्रण।
   - **डेब्ट फंड:** फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।
6. पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)- लंबी अवधि की बचत योजना जो कर लाभ देती है।
7. एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम)- रिटायरमेंट के लिए पेंशन योजना।
8. यूएलआईपी (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान)- निवेश और बीमा का मिश्रण।
9. क्रिप्टोकरेंसी- डिजिटल मुद्राएं जैसे बिटकॉइन, एथेरियम (उच्च जोखिम)।
10. एफडी और आरडी (रिकरिंग डिपॉजिट)- बैंकों में निश्चित आय के विकल्प।

खबर संक्षेप

सांसद कार्तिकेय शर्मा जुलाना में आज

जींद। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा रविवार को जुलाना के मेन बाजार स्थित हनुमान मंदिर में अभिनंदन समारोह में शिरकत करेंगे। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम संयोजक राधेश्याम वशिष्ठ ने बताया कि कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा का सम्मान किया जाएगा।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो घायल

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों में दो लोग घायल हो गए। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर फरार वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गुप्ता कालोनी निवासी आशू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव बीबीपुर के निकट बाइक लेकर गुजर रहा था। उसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गया।

महिला पुरस्कारों के लिए तीस तक करें आवेदन

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को राज्य स्तर पर पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। इन पुरस्कारों में इंदिरा गांधी महिला शक्ति अवॉर्ड, कल्पना चावला शौर्य अवार्ड, बहन शन्नो देवी पंचायती राज अवार्ड, लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, सामाजिक कार्यकर्ता अवार्ड, महिला उद्यमी अवार्ड शामिल हैं।

आंखों का निःशुल्क जांच शिविर 13 अक्टूबर को

जींद। लायंस क्लब जींद सिटी द्वारा 55वां आंखों के ऑपरेशन का निशुल्क कैंप लगाने का निर्णय शनिवार को लिया। क्लब सदस्यों ने बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान लायन विकास मित्तल ने बताया कि क्लब आंखों में सफेद मोतिया के ऑपरेशन का 55 वां निशुल्क कैंप आगामी 13 अक्टूबर सोमवार को अग्रवाल धर्मशाला अर्बन स्टेट में लगाएगा।

फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर कंट्रोल रूम स्थापित

जींद। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप कृषि निदेशक डा. गिरिश नागपाल ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन हेतु नियंत्रण कक्ष में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए नियंत्रण कक्ष उप कृषि निदेशक कार्यालय जींद में स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष के जोगिंदर सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके मोबाईल नंबर पर भी किसान फसल अवशेष प्रबन्धन के लिए सम्पर्क कर सकते है।

जिला बास्केटबॉल टीम की ट्रायल आज

जींद। बास्केटबॉल एसोसिएशन के जिला प्रधान डा. राजपाल ढांडा ने बताया कि 27वीं हरियाणा स्टेट ओलंपिक गेम्स 2025 में भाग लेने के लिए जिला जींद बास्केटबॉल महिला (लड़कियां वर्ग की) टीम का चयन ट्रॉयल के आधार पर रविवार सुबह 10 बजे छोटूराम किसान महाविद्यालय में किया जाएगा। चयनित महिला खिलाड़ी दो नवंबर को 27वीं हरियाणा स्टेट ओलंपिक गेम्स 2025 में भाग लेंगे।

महंगाई भत्ते की किश्त जारी करे सरकार: प्रेम

जींद। पुलिस लाइन में पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह बांगड की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन राजबीर मलिक ने किया। बैठक में पुलिस पैंशनर व कर्मचारियों की मांगो को लेकर विचार विमर्श किया और मांग की कि पुरानी पेंशन लागू की जाए।

बस की चपेट में आने से महिला घायल, केस दर्ज

कैथल। जिले के गांव मटकालिया के निकट बस की चपेट में आने से एक महिला घायल हो गई। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। लदाना चक्कू के कुलदीप कुमार ने गुहला पुलिस को शिकायत में बताया कि 28 मार्च को जब उसकी पत्नी आशा मटकालिया बस अड्डे के निकट से जा रही थी तो अज्ञात बस चालक ने तेज गति लापरवाही से चलते उसकी पत्नी को चपेट में लेकर घायल कर दिया।

बाल भवन में जिलास्तरीय बाल महोत्सव प्रतियोगिताएं प्रारंभ

पोस्टर मेंकिग ग्रुप दो में इंडस स्कूल की कशिश ने मारीबाजी

प्रतियोगिताओं का शुभारंभ जिला बाल कल्याण अधिकारी की अध्यक्षता में किया

75 स्कूलों के 536 छात्र व छात्राओं ने प्रतियोगिता में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला बाल कल्याण परिषद् जींद के प्रधान एवं डीसी मोहम्मद इमरान रजा के मार्गदर्शन में बाल भवन में जिलास्तरीय बाल महोत्सव प्रतियोगिताओं का शुभारंभ जिला बाल कल्याण अधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने कार्ड मेकिंग, स्केचिंग ऑन दी स्पॉट, पोस्टर मेकिंग, थाली पूजन, एकल गायन गीत व भाषण प्रतियोगिता में लगभग जिलेभर के 75 स्कूलों के लगभग 536 छात्र व छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। डीसी ने सभी स्कूली बच्चों को बाल भवन जींद में होनी वाली प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। जिला बाल कल्याण अधिकारी मलकीयत सिंह चहल ने बताया कि यह प्रतियोगिताएं 11 अक्टूबर से लेकर 18 अक्टूबर तक बाल भवन जींद में आयोजित की जाएंगी। प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सीधा राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बाल भवन जींद की तरफ से भेजा जाएगा और जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को जिला स्तरीय बाल दिवस समारोह में डीसी द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

यह रहे परिणाम

द्वारा सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका रणवीर कौशल, संदीप शर्मा, सुरेन्द्र धवन, डा. हिमांशु गर्ग, सीमा सहारण, प्रीति श्योराण, डा. चंचल, आरती सैनी, विशाल रेदू व डा. भावना ने निभाई। पोस्टर मेंकिग ग्रुप दो में इंडस पब्लिक स्कूल की कशिश प्रथम, आधारशिला का शौर्य द्वितीय, जीडी गोयंका स्कूल का जिज्ञांश तृतीय स्थान पर रहा। ग्रुप तीन में आधारशीला स्कूल की एंजेल प्रथम, शुभम द्वितीय, इंडस स्कूल की अवन्नी तृतीय स्थान पर रही। ग्रुप चार में इंडस स्कूल का रिशांत प्रथम, युग द्वितीय, आधारशीला का आर्यन तृतीय स्थान पर रहा। स्केचिंग में इंडस पब्लिक स्कूल के रिशांत प्रथम, महिमा द्वितीय, राजकिय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की मुकीम तृतीय स्थान पर रही। सोलो सोग मे तकशीला स्कूल भंभेवा की दीपिका प्रथम, मोती लाल स्कूल की यशिका द्वितीय स्कोलर स्कूल की तश्वी तृतीय स्थान पर रही। सोलो सोंग में इंडस पब्लिक स्कूल की गोपाली प्रथम, आधारशीला स्कूल का वंश द्वितीय, स्कोलर स्कूल की प्रीती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप दो में इंडस स्कूल का नैतिक प्रथम, तकशीला स्कूल भंभेवा की प्राची द्वितीय, आधारशीला स्कूल की प्रियाशी तृतीय स्थान पर रही।

नवनिवार्चित कार्यकारिणी ने संभाला कार्यभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जाट धर्मार्थ सभा की नवनिवार्चित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने शनिवार को कार्यभार संभाल लिया। एडवोहक कमेटी ने जाट धर्मशाला के नवनिवार्चित प्रधान फूल कुमार मोर व महासचिव सुरजीत धनखड़ को चार्ज सौंपा। जाट धमार्थ सभा का चुनाव 18 सितंबर को हुआ था। इसमें प्रधान पद पर फूल कुमार मोर, उपप्रधान पद पर किताब सिंह भनवाला, महासचिव पद के लिए सुरजीत धनखड़ व सचिव यादवेंद्र सिंह खर्ब, कोषाध्यक्ष के लिए डा. बलवंत सिंह व 16 सदस्यीय कमेटी चुनी गई थी।

जींद। पदभार संभालने पहुंची कार्यकारिणी। *फोटो :हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

शुक्रवार को एडवोहक कमेटी सदस्य ईश्वर सिंह उझानियां, किताब सिंह भनवाला व यादवेंद्र सिंह खर्ब ने चुनी गई नई कार्यकारिणी को कार्यभार सौंपा गया। इस दौरान नवनिवार्चित कार्यकारिणी ने जाट धर्मशाला में सर छोटूराम की प्रतिमा पर माल्यापण कर कार्यभार को संभाला। ऑस्ट्रेलिया के वेस्ट टोरंटो के काउंसलर सुरेंद्र चहल व उनकी धर्मपत्नी का जाट धर्मशाला में पहुंचने पर फूलमालाओं से स्वागत किया गया। प्रधान फूल कुमार मोर ने कहा कि जल्द ही आम सभा की बैठक बुलाई जाएगी। इसमें नई कार्यकारिणी की सहमति के साथ अहम फैसले लिए जाएंगे। इस दौरान फैसला लिया गया कि दीपावली से पहले जाट धर्मशाला में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा ताकि जहां पर भी गंदगी फैली है उसकी सफाई की जा सके। महताब मलिक, सुरेंद्र खटकड़, शीशपाल लोहान, ओमसिंह सांगवान, डा. राजपाल ढांडा, अनिल मलिक, पवन दूहन, सुभाषचंद्र, जिले सिंह जैलदार मौजूद थे।

राजौंद। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। *फोटो :हरिभूमि*

गुरजोत 130 किलो भार वर्ग में प्रथम

राजौंद। असंध रोड पर स्थित बिरला ओपनमाईड इंटरनेशनल स्कूल में कुश्ती अकादमी के बच्चों ने जिला स्तरीय खेल हरियाणा ओलंपिक में प्रथम स्थान प्राप्त करके अपने स्कूल माता-पिता गांव शहर जिले का नाम किया रोशन। स्कूल में किया गया विद्यार्थियों को सम्मानित। प्रधानाचार्य शीश पाल में बताया कि राहुल ने 60 किलो व राजवीर ने 72 किलो राकेश ने 67 किलो और गुरजोत ने 130 किलो भार वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि यहां कुश्ती के बच्चे बहुत ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तथा नेशनल लेवल पर भी मेडल जीतकर लाए हैं। उन्होंने बताया कि बिरला ओपनमाईड इंटरनेशनल स्कूल में कुश्ती अकादमी के बच्चों ने इससे पहले भी प्रदेश सत्र का प्रदर्शन करके अपने स्कूल शहर जिले का नाम रोशन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के प्रति भी विद्यार्थियों को पूरा मौका दिया जाता है ताकि पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थी खेलों में भी अच्छा परचम लहरा सके।

उचाना में 65300 क्विंटल पीआर धान की खरीद हुई

उचाना। मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने कहा कि किसानों को पीआर धान की खरीद में किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जा रही है। खरीद को लेकर सभी प्रबंध पुख्ता किए है। उचाना मंडी के अलावा काछ्छा में भी पीआर धान की खरीद हो रही है। काछ्छा में पीआर धान की खरीद होने से काछ्छा के आस-पास के गांवों के किसानों को नरवाना, उचाना पीआर धान बेचने के लिए नहीं आना पड़ेगा। जानकारी देते हुए चेयरमैन ने बताया कि अब तक पीआर धान उचाना मंडी में 64 हजार क्विंटल, काछ्छा में 1300 क्विंटल खरीदी जा चुकी है। बाजरा उचाना मंडी में 25166 क्विंटल खरीदा जा चुका है। पीआर धान का 2389 रुपए एमएसपी सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। मंडी में खरीद का पुख्ता प्रबंध है ताकि मंडी में आते ही किसान अपनी फसल बेच कर घर जा सकें।

रामकुमार बरटा अध्यक्ष मनोनित

कैथल। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर व विधायक आदित्य सुरजेवाला द्वारा ढांड रोड स्थित किसान भवन कैथल में रामकुमार बरटा को भारतीय किसान खेत मजदूर कांग्रेस वार्ड 11 कैथल का अध्यक्ष नियुक्त करते उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर रामकुमार बरटा ने विश्वास दिलाया कि वह तन मन धन से कांग्रेस पार्टी के एक छोटे से कार्य कर्ता के रूप में कार्य करते पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। उन्होंने विधायक आदित्य सुरजेवाला के सामने करनाल रोड वार्ड 11 की कुछ समस्याएं भी रखी जिसमें मुख्य तौर पर करनाल रोड पर गली नंबर 1 से 16 तक कम से कम चार जगह पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। विधायक ने शीघ्रता से हल करवाने का आश्वासन दिया। उनकी नियुक्ति पर रामचंद्र, शमशेर सिंह जाजनपुर, जयप्रकाश, हरद्वारी, ज्ञानी राम, उद्यभान, जयवीर, जोगीराम, प्रदीप बांगड,महावीर, सतीश शर्मा, शिवकुमार, शमशेर सिंह मलिक ने नियुक्ति पर हार्दिक शुभकामनाएं दी।

जींद। रक्त के सैंपल लेते स्वास्थ्यकर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

बुखार पीड़ितों के लिए सैंपल, लार्वा की जांच की

जींद। आयुष्मान आरोग्य मंदिर निर्जन के तहत आने वाले सभी गांव निर्जन, लखमीरवाला और मांडो खेड़ी में स्वास्थ्य सुपरवाइजर सुरेश कुमार के नेतृत्व में फीवर मास सर्वे किया। प्रत्येक गांव मे टीम बना कर तथा घर-घर में जाकर कुलर, टंकी, होदी, फ्रीज की ट्रे इत्यादि में डेंगू मलेरिया के लारवे की जांच की। जहां भी लारवा मिला उसे मौके पर ही नष्ट करवा दिया गया। बुखार वाले मरीजों की रक्तपट्टिकाएं बनाई गई और उनको दवाइयां भी दी। लोगों को मलेरिया डेंगू के बचाव बारे जागरूक किया। स्वास्थ्य कार्यकर्ता विरेंद्र, राजेश, संजय, कृष्ण ने बताया कि मलेरिया के लक्षण कंपकपी के साथ बुखार आना, तेज सिर दर्द होना, उल्टियां आना, जी मिचलाना आदि हैं। इसके लिए बचाव में बुखार होने पर नजदीक के सरकारी अस्पताल में जाकर खून टेस्ट करवाना व दवाई लेनी चाहिए। बच्चों व बडों को पूरी बाजू के कपड़े पहनाना ताकि मच्छरों से बचाव रहे। मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। आसपास पानी एकत्रित ना होने दें।

लोक नृत्य कार्यशाला संपन्न

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में संगीत एवं सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में चल रही 15 दिवसीय लोक नृत्य कार्यशाला का विधिवत समापन हुआ। गत 19 सितंबर से प्रारंभ हुई यह 15 दिवसीय लोक नृत्य कार्यशाला शनिवार को संपूर्ण हो गई। जिसमें कुल 25 छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन छात्राओं ने इन 15 दिनों में खोडिया, फॉग, घूमर व अन्य कई प्रकार के हरियाणवी लोक नृत्यों के बारे में जाना, समझा और इसका व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। नृत्य को सीखाने के लिए रितु शर्मा एवं अंकित शर्मा ने प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया। यह 15 दिवसीय लोक नृत्य कार्यशाला जो की कला एवं सांस्कृतिक विभाग हरियाणा के द्वारा महाविद्यालय में प्रदत्त की गई थी। महाविद्यालय प्राचार्या डा. पूनम मोर ने सभी छात्राओं को लोक नृत्य कार्यशाला की संपन्नता पर बधाई दी।

जींद। प्रतियोगिता में छात्रों द्वारा बनाए गए पोस्टर। *फोटो :हरिभूमि*

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रिंस प्रथम

जींद। राजकीय महाविद्यालय के युवा भूगोल क्लब के तत्वावधान में वन्य जीव संरक्षण पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में हुई। जिसमें प्रथम स्थान प्रिंस ने, द्वितीय स्थान कामना ने और तृतीय स्थान सोमी ने प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कॉलेज में सारे साल विभिन्न गतिविधियों को करवाया जाता है। इन सब गतिविधियों में विद्यार्थियों को बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। प्रतियोगिता में प्रो. मनोज कुमार अर्थशास्त्र विभाग, निशा परूथी और पुष्पा ढांडा रसायन विभाग से ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। भूगोल विभाग के अध्यक्ष विक्रम सिंह, प्राध्यापक डा. कृष्ण कुमार, रवि कुमार, वरूण कुमार, डा. रीना रानी, रितु रानी आदि मौजूद रहे।

कैथल। विधायक आदित्य और रामचंद्र गुर्जर रामकुमार बरटा को नियुक्ति पत्र सौपते।

राज्यपाल को ई-मेल से भेजा ज्ञापन

- आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार मौत की हो न्यायिक जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन, अखिल भारतीय किसान सभा, सीआईटीयू, दलित अधिकार मंच और अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने शनिवार को आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु को लेकर राज्यपाल हरियाणा को ई-मेल के माध्यम से ज्ञापन भेजा। संगठन पदाधिकारियों संदीप जाजवान, नूतन प्रकाश ने बताया कि शनिवार को सरकारी अवकाश होने के कारण राज्यपाल कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से ज्ञापन सौंपना संभव नही था। इसलिए ज्ञापन ई-मेल के माध्यम से भेजा गया। इस घटना को संस्थागत हत्या करार देते न्यायिक जांच की मांग की और कहा कि यह केवल एक अधिकारी की मृत्यु नही बल्कि भारतीय संविधान की समानता और न्याय की भावना पर सीधा प्रहार है। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की मौत ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया है कि हमारे प्रशासनिक और पुलिस तंत्र में जातिगत भेदभाव और उत्पीडन की गहरी जड़ें अब भी कायम हैं। उनके अंतिम नोट और अन्य रिपोर्टों में यह साफ संकेत है कि उन्हें जातिगत पूर्वाग्रहों पर आधारित अपमान और उत्पीडन का सामना करना पड़ा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि अधिकारी की मृत्यु की न्यायिक जांच तत्काल करवाई जाए।

जींद। मेल के माध्यम से ज्ञापन सौंपते संगठन पदाधिकारी। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। छात्रा को प्रशस्ति पत्र देते प्राचार्या डा. पूनम। *फोटो :हरिभूमि*

उचाना। पत्रकारों से बातचीत करते हरेंद्र सिंह एवं सुरेंद्र गर्ग। *फोटो :हरिभूमि*

आज जींद हलके में पहुंचेगी सदभाव यात्रा

उचाना। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजेंद्र सिंह द्वारा निकाली जा रही प्रदेशभर में सदभाव पैदल यात्रा 12 को जींद हलके में पहुंचेंगे। नरवाना हलके से पांच अक्टूबर को शुरू हुई सदभाव यात्रा कलायत, सफीदों हलके के बाद जींद हलके में पहुंचेगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरेंद्र सिंह एवं मार्केट कमेटी पूर्व वाइस चेयरमैन सुरेंद्र गर्ग ने बताया कि 12 को खेड़ी तलौड़ा के बाद तलौड़ा, खूंगा कोठी, दालमवाला यात्रा पहुंचेगी। दालमवाला में रात्रि ठहराव होगा। 13 को जींद शहर में कचहरी रोड से यात्रा शुरू होगी। रानी तालाब, गुरूद्वारा, घंटाघर, मेन बाजारा, पंजाबी बाजार, झांझ गेट, पुरानी सब्जी मंडी, पटियाला चौक, अमरहेड़ी से होते कंडेला यात्रा पहुंचेगी। कहा कि हर जगह जोरदार स्वागत बृजेंद्र सिंह का हो रहा है। यात्रा को जन समर्थन मिल रहा है। प्रदेश में अभी चुनाव नहीं है लेकिन प्रदेश में सदभाव का संदेश देने के लिए ये यात्रा निकाली जा रही है। जो भाईचारा भाजपा ने प्रदेश में बिगाड़ने का काम किया है उसको दोबारा से कायम करना यात्रा का प्रमुख उद्देश्य है। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह भी यात्रा में साथ रहेंगे।

जींद। पीटीएम में भाग लेते हुए अभिभावक। *फोटो :हरिभूमि*

सुप्रीम स्कूल में पैरेंट्स टीचर्स मीट

जींद। एकता नगर स्थित सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पैरेंट्स, टीचर्स मीट का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। अवसर पर अभिभावकों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, व्यवहार तथा सहपाठ्यक्रम गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन से जुड़ी जानकारी दी गई। उन्होंने अपने सुझाव साझा किए और शिक्षकों से संवाद कर समस्याओं के समाधान पर विचार-विमर्श किया। सभी ने मिल कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु सहयोग और समर्थन का संकल्प लिया। स्कूल के प्रिंसिपल नवीन शर्मा ने कहा कि पीटीएम अभिभावकों और शिक्षकों के बीच आपसी सहयोग और संवाद को मजबूत बनाता है। जो विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

महात्मा गांधी संस्थान द्वारा धूमधाम से मनाया दिवाली महोत्सव

दिवाली महोत्सव में बच्चों ने कला के खूब बिखेरे रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन में दीपावली महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र व छात्राओं ने कार्ड मेकिंग, दीप मेकिंग, रंगोली प्रतियोगिता और मेहंदी प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस महोत्सव में जींद विकास संगठन के अध्यक्ष समाजसेवी डा. राजकुमार गोयल मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष राजकुमार भोला ने की। इस अवसर पर साइकोलॉजिस्ट किरण सिंधु, अंकिता खटकड़, अजय वर्मा, राकेश श्योकंद, अजय सैनी, मीना सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जींद। कार्यक्रम में विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

स्वच्छता का संदेश दिया

इस मौके पर मुख्य अतिथि डा. राजकुमार गोयल ने कहा कि महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन युवाओं को शिक्षा, स्किल और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़कर समाज निर्माण में सराहनीय कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में आज विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया हैं। उन्होंने कहा कि संस्था का यह प्रयास छात्रों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र सेवा की भावना से भी प्रेरित कर रहा है। उन्होंने कहा कि दीवाली महोत्सव न केवल आनंद का महोत्सव होता है बल्कि यह हमें एकता, सहयोग और स्वच्छता का संदेश देता है।

अपने हुनर का प्रर्दशन किया

इन प्रतियोगिताओं में बच्चों ने अपनी अपनी कला के खूब रंग बिखेरे। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष राजकुमार भोला ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्रों की प्रतिभा को निखारते हैं और उनमें आत्मविश्वास व सामाजिक जुड़ाव की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि वे लगातार कई साल से इस प्रकार की प्रतियोगिता करते आ रहे है। इस बार भी संस्थान में पढने वाले बच्चों ने रंगोली, दिया मेकिंग, कार्ड मेकिंग, मेहंदी जैसी प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़ कर भाग लिया। सभी ने अपने अपने हुनर का खूब सुंदर प्रर्दशन किया।

जींद। बैठक में चुनी गई कार्यकारिणी। *फोटो :हरिभूमि*

सर्वेश रानी एसो की प्रधान मनोनित

जींद। पटवार भवन में शनिवार को द रेवेन्यु पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन का द्विवार्षिक जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता पर्यवेक्षक के तौर पर राज्य कोषाध्यक्ष सन्नी पटवारी ने की। पुरानी जिला कार्यकारिणी ने अपना दो वर्ष के कार्य का ब्योरा दिया। राज्य कोषाध्यक्ष ने नई कार्यकारिणी का गठन किया। इसमें सर्वसम्मति से सर्वेश रानी को जिला प्रधान, विकास शर्मा को सचिव, पूनम सहसचिव, वरिष्ठ उपप्रधान बलवंत कानूनगो व रविदत्त पटवारी, कोषाध्यक्ष जसबीर पटवारी, उपप्रधान नरेश चहल, विजय शर्मा, सुनील, रमेश पटवारी, लखपत, सतीश पटवारी व मीडिया प्रभारी विकास चहल और ऑडिटर बलवान कानूनगो चुने गए। सभी निर्वाचित सदस्यों को पर्यवेक्षक राज्य कोषाध्यक्ष सन्नी पटवारी ने शपथ दिलाई। सभी निर्वाचित सदस्यों ने अपने कार्य को ईमानदारी से निभाने व संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान सूबे सिंह, नरेश ढांडा, अनिल कानूनगो, वीरेंद्र कानूनगो मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

वाई पूरन कुमार मामले को जातीय रंग न दें लोग

जींद। सर्वजातिय पूनिया खाप राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता जितेंद्र छात्तर ने कहा कि एडीजीपी वाई

पूरन कुमार द्वारा आत्महत्या किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। खाप की संवेदना पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होंने कहा कि वाई पूरन कुमार आत्महत्या के मामले में बड़े अधिकारियों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है। जो कि जांच का विषय है। मामले की जांच भी निष्पक्ष तथा गंभीरता से होनी चाहिए। पूनिया खाप इस पक्ष मे है जो लोग दोषी है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

मोतीलाल स्कूल में भारत को जानो प्रतियोगिता आज

जींद । भारत विकास परिषद भूतेश्वर शाखा द्वारा भारत को जानो प्रतियोगिता शाखा स्तर पर रविवार को मोतीलाल स्कूल में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यअतिथि के रूप में इंडस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस के निदेशक सुभाष श्योराण रहेंगे।

सर्व कर्मचारी संघ जिला प्रतिनिधि सम्मेलन आज

कैथल। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान शिवचरण, सचिव मास्टर रामपाल शर्मा, कैशियर रामकुमार शर्मा, वरिष्ठ उपप्रधान ओमपाल भाल,उपप्रधान छज्जू सिंह, सावित्री देवी, सहसचिव विजय शर्मा, सीनू बेनीवाल,संगठन सचिव जसबीर सिंह, प्रैस सचिव सुरेश उचाना व ऑडिटर जयप्रकाश टीक ने बताया कि संगठन के ब्लॉक से लेकर राज्य स्तरीय त्रिवार्षिक सांगठनिक प्रतिनिधि सम्मेलन अगस्त मास से शुरू हुए थे।

49 राजकीय और 12 एडीड कालेजों ने वीटा बूथ खोलने को लेकर जताई सहमति

उच्चतर शिक्षा विभाग राजकीय महाविद्यालयों में खोलेगा वीटा बूथ

जींद। राजकीय महाविद्यालय जींद। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

- अब वीटा बूथों से विद्यार्थियों को दूध मिल सकेगा

उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा राजकीय महाविद्यालयों में वीटा बूथ खोले जाने की योजना है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के महाविद्यालयों को प्राथमिकता के तहत विद्यार्थियों को कालेज प्रांगण में ही खाने-पीने की चीजे मुहैया करवाना है। प्रदेश के 49 राजकीय कालेज और 12 एडीड कालेजों ने वीटा बूथ खोलने को लेकर अपनी सहमति जताई है। वीटा बूथ खोलने के लिए कालेज प्रशासन द्वारा जगह मुहैया करवाई जाएगी। अगर वीटा बूथ महाविद्यालयों में खुलते हैं तो विद्यार्थियों को खाने-पीने की चीजें मिल पाएगी। शहरी क्षेत्रों में महाविद्यालयों में कैंटीन चल रही हैं। ऐसे में वहां विद्यार्थियों को दोपहर के समय समोसा, चिप्स, बिस्कुट, दूध व चाय सहित अन्य चीजें मिल जाती हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादातर महाविद्यालयों में कैंटीन नहीं है। ऐसे में दोपहर के समय कई बार खाने.पीने की चीजें नहीं मिल पाती। अब उच्चतर शिक्षा विभाग राजकीय महाविद्यालयों में वीटा बूथ खोलने की तैयारी की जा रही है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के महाविद्यालयों को प्राथमिकता दी जाएगी।

इन महाविद्यालयों ने दी मंजूरी

भिवानी राजकीय कन्या महाविद्यालय बवानी खेड़ा
भिवानी राजकीय कन्या महाविद्यालय लौहारु
चरखी-दादरी राजकीय महाविद्यालय बौंद कलां
चरखी-दादरी राजकीय महाविद्यालय मंडी हरया
चरखी-दादरी राजकीय कन्या महाविद्यालय बादरा
फरीदाबाद राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद
फरीदाबाद राजकीय कन्या महाविद्यालय फीरदाबाद
फरीदाबाद राजकीय कन्या महाविद्यालय नाचोली
गुरुग्राम राजकीय महाविद्यालय सिधरावाली
गुरुग्राम राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर 52
हिसार राजकीय महाविद्यालय नारनौंद
हिसार राजकीय महाविद्यालय हिसार
हिसार राजकीय महाविद्यालय दत्ता
हिसार राजकीय महाविद्यालय उगालन
हिसार राजकीय महाविद्यालय उगालन
हिसार राजकीय कन्या महाविद्यालय हिसार
झज्जर राजकीय महाविद्यालय दुबलधन
झज्जर राजकीय कन्या महाविद्यालय बहादुरगढ़
जींद राजकीय कन्या महाविद्यालय सफीदों
जींद राजकीय महाविद्यालय अलेवा
जींद राजकीय महाविद्यालय सफीदों
कैथल राजकीय कन्या महाविद्यालय कलायत
करनाल राजकीय महाविद्यालय असंध
करनाल राजकीय कन्या महाविद्यालय करनाल
करनाल राजकीय महाविद्यालय दादूपुर रोरण
करनाल राजकीय महाविद्यालय निगदू
करनाल राजकीय महाविद्यालय करनाल
महेंद्रगढ़ राजकीय कन्या महाविद्यालय नांगल चौधरी
महेंद्रगढ़ राजकीय महाविद्यालय नांगल चौधरी
महेंद्रगढ़ राजकीय महाविद्यालय अटैली
महेंद्रगढ़ राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़
महेंद्रगढ़ राजकीय कालेज सिहमा
महेंद्रगढ़ राजकीय महाविद्यालय कनीना
महेंद्रगढ़ राजकीय महाविद्यालय नारनौल
महेंद्रगढ़ राजकीय कन्या महाविद्यालय उन्हानी
महेंद्रगढ़ राजकीय महाविद्यालय सतनाली
नूंह राजकीय महाविद्यालय नगीना
पंचकूला राजकीय महाविद्यालय बरवाला
पंचकूला राजकीय महाविद्यालय रायपुर रानी
पानीपत राजकीय महाविद्यालय पानीपत
पानीपत राजकीय कन्या महाविद्यालय मतलौड़ा
पानीपत राजकीय महाविद्यालय इसराना
रोहतक राजकीय महाविद्यालय महम
रोहतक राजकीय महाविद्यालय जसिया
सिरसा राजकीय महाविद्यालय डबवाली
सोनीपत राजकीय महाविद्यालय बरोटा
यमुनानगर राजकीय महाविद्यालय छछरौली
यमुनानगर राजकीय महाविद्यालय अहरवाला बिलासपुर
इन एडिड कालेज ने जताई सहमति
अंबाला आर्य कन्या कालेज अंबाला कैंट
अंबाला डीएवी महाविद्यालय अंबाला सिटी
कैथल चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढांड
पलवल जीजीडीएसडी महाविद्यालय पलवल
फरीदाबाद अग्रवाल कालेज बल्लभगढ़
हिसार एसडी महिला महाविद्यालय हांसी
कैथल बाबू अनंत राम जनता कालेज कौल कैथल
कुरुक्षेत्र आर्य कन्या महाविद्यालय शाहबाद
रेवाड़ी आरडीएस पब्लिक कन्या कालेज रेवाड़ी
रोहतक गौड़ ब्राह्मण डिग्री कालेज रोहतक
सिरसा सीएमके नेशनल पीजी कन्या महाविद्यालय सिरसा
यमुनानगर गुरु नानक कन्या कालेज यमुनानगर

राजकीय महाविद्यालयों में वीटा बूथ खोलने को लेकर विभाग ने मांगे आवेदन

राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सत्यवान मलिक ने बताया कि इसमें ग्रामीण क्षेत्र के महाविद्यालयों को प्राथमिकता दी जाएगी। जिससे विद्यार्थियों को कालेज परिसर में खाने-पीने की चीज मुहैया हो सके। राजकीय महाविद्यालयों में वीटा बूथ खोलने को लेकर उच्चतर शिक्षा विभाग ने आवेदन मांगे हैं।

मनाया गया आठवां पोषण माह कार्यक्रम

जींद। प्रतियोगिता में भाग लेते हुए।

- पोस्टर मेकिंग में सुपरवाइजर खंड जुलाना से सुमन दलाल प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शनिवार को सफीदों में जिला स्तरीय आठवां पोषण माह कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक पूनम रमण ने मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा मोटे अनाज से सुसज्जित रेसिपी, रंगोली, पोस्टर व मटकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही प्ले स्कूल व रॉकेट लर्निंग टीम द्वारा स्टॉल लगाई गई। मुख्यअतिथि पूनम रमण ने उपस्थित महिलाओं को विभाग की विभिन्न योजनाओं व सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से कन्या शब्दकोश योजना, योग तथा प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के तहत दी जा रही सुविधाओं के बारे में बताया और सभी को पोषण के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में बच्चों के अभिभावको द्वारा पोष्टिक आहार तैयार किया गया। इसके अलावा बच्चों का हेल्दी बेबी शो भी करवाया गया। जिसमें अव्वल रहने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी सुलोचना कुंडू, कांता यादव, संतोष यादव, सुमन, डीसीपीओ सुजाता, ओएससी संचालक राजवंती तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं व बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

प्रतियोगिताओं में अव्वल रहने वाली प्रतिभागियों के परिणाम

पोस्टर मेकिंग में सुपरवाइजर खंड जुलाना से सुमन दलाल प्रथम, नरवाना से शांति देवी दूसरे तथा जींद ग्रामीण की ममता तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार मटकी में खंड पिल्लूखेड़ा से सुपरवाइजर राजेश प्रथम, मीनाक्षी दूसरे तथा सफीदों की संध्या तीसरे स्थान पर रही। रांगोली प्रतियोगिता में कविता एवं उनकी टीम प्रथम, लक्ष्मी व उनकी टीम दूसरे तथा रितु व उनकी टीम सदस्य तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार रेसिपी प्रतियोगिता में सफीदों की कमला प्रथम, संध्या दूसरे तथा संतोष तीसरे स्थान पर रही।

साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया

- अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए-नए तरीकों से सुरक्षित रहने पर दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

कैथल। थाना प्रभारी पीएसआई शुभ्रांशु विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए।

साइबर जागरूकता माह दौरान अंबाला रोड स्थित हारट्रोन कंप्यूटर सेंटर में साइबर अपराधों से बचाव को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में साइबर क्राइम थाना एसएचओ पीएसआई शुभ्रांशु ने विद्यार्थियों व स्टाफ को साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों, अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए-नए तरीकों से सुरक्षित रहने पर जानकारी दी। एसएचओ शुभ्रांशु ने बताया कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराधी सोशल मीडिया, फर्जी लिंक, बैंकिंग फ्रॉड, ओटीपी शेयरिंग, लोन ऐप, स्क्रीन शेयरिंग, फिशिंग ईमेल, नौकरी व इनाम के लालच जैसे तरीकों का उपयोग करके आमजन को निशाना बना रहे हैं। अनजान कॉल, लिंक, मैसेज या ऐप पर भरोसा न करें।

मजबूत पासवर्ड रखें

उन्होंने विद्यार्थियों को मजबूत पासवर्ड व टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करने, सोशल मीडिया पर गोपनीयता सेटिंग्स मजबूत रखने तथा संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी। साइबर अपराध होने पर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने की जानकारी भी दी।

बाल दिवस के लिए चार ग्रुपों में होगी प्रतियोगिताएं : डीसी

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि बाल दिवस के उपलक्ष्य में स्कूल विद्यार्थियों के लिए जिला स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाएगा। ये प्रतियोगिताएं 13 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक बाल भवन परिसर में आयोजित करवाई जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं के लिए स्कूली विद्यार्थियों को चार ग्रुपों में बांटा गया है। कैथल जिले के सभी सरकारी/गैर-सरकारी स्कूलों के बच्चे प्रतिभागिता में भाग लेंगे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

छात्रों ने रैली निकालकर समाज को स्वच्छता का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजौंद

राजौंद। गांव में जागरूक रैली निकालते हुए विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य।

सत्या भारती स्कूल शेरू खेड़ी में स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विद्यार्थियों द्वारा रैली का आयोजन किया। इस रैली का नेतृत्व विद्यालय के मुख्याध्यापक मुकेश कुमार ने किया। जिनके साथ शिक्षिका सीता देवी, संगीता व मोनिका शामिल रही।इस रैली का उद्देश्य समुदाय को स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व के बारे में संवेदनशील बनाना था। छात्रों ने स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देने वाले नारे लिखे हुए तख्तियों और बैनरों पर लिखे स्लोगनों के माध्यम से गांव की हर गली से गुजरते हुए लोगों को जागरुक कर रहे थे इस ग्रामीणों के बीच जागरूकता के लिखे हुए पंपलेट भी वितरित किए।इस पहल के माध्यम से विद्यालय का उद्देश्य समुदाय को स्वच्छता के महत्व और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

कैडेट्स ने हथियारों के साथ किया ड्रिल प्रदर्शन

नरवाना । 15 हरियाणा बटालियन एनसीसी जींद द्वारा मितासो कॉलेज ऑफ एजुकेशनए नरवाना में चलाए जा रहे एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के छठे दिन की शुरुआत ड्रिल से हुईए जिसमें जूनियर कैडेट्स ने पैदल अभ्यास कियाए जबकि सीनियर कैडेट्स ने हथियारों के साथ ड्रिल का प्रदर्शन किया। नाश्ते के बाद के सत्र में राइफल की विभिन्न फायरिंग पोजीशनए दिशा जानने के लिए कंपास और मानचित्र का उपयोग और सर्विस प्रोटेक्टर के उपयोग पर कक्षाएं आयोजित की गईं। अगले सत्र मेंए एएनओ ने समाज सेवा की मूल बातेंए गैर सरकारी संगठनों की भूमिकाए ग्रामीण विकास कार्यक्रमों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं के सार्थक योगदान पर चर्चा की। बाद में कैडेट्स ने पीआई स्टाफ से छलावरण और छिपावए अवलोकन तकनीकों और उपलब्ध जमीन और कवर का उपयोग करने पर व्यावहारिक अभ्यास भी प्राप्त किया जिससे उनके फील्ड क्राफ्ट कौशल में वृद्धि हुई।

नरवाना। शिविर में राइफल से फायरिंग पोजीशन का अभ्यास करते हुए कैडेट्स।

कैथल। एंटी व्हीकल थैफ्ट स्टाफ गिरफ्त में ट्रैक्टर- ट्राली चोरी करने का आरोपी।

ट्रैक्टर- ट्राली चोरी करने के मामले में आरोपी काबू

कैथल । एंटी व्हीकल थैफ्ट स्टाफ ने ट्रैक्टर- ट्राली चोरी करने के मामले में एक आरोपी काबू किया है। आरोपी से ट्रैक्टर-ट्रॉली भी बरामद कर ली है। मामले में एंटी व्हीकल थैफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की टीम ने गांव बरसाना निवासी आरोपी राहुल को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव रमाना रमाणी निवासी मनीष कुमार ने शिकायत दी थी कि उसकी गांव बरसाना में रेती बजरी की दुकान हैं। 11 सितंबर की रात को उसकी दुकान पर रेता से भरा हुआ ट्रैक्टर- ट्रॉली को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गए। जिस बारे थाना पूंडरी में केस दर्ज कर लिया गया। चोरीशुदा ट्रैक्टर-ट्रॉली एंटी व्हीकल थैफ्ट स्टाफ ने पहले ही बरामद कर लिया।

आईपीएस सुसाइड के विरोध किया प्रदर्शन

कैथल । आईपीएस पूरन कुमार सुसाइड के विरोध में दलित अधिकार मंच हरियाणा, अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन, सीटू, ग्रामीण सफाई कर्मचारी युनियन, एसकेएस,नगरपालिका,जनवादी महिला समिति व जन कल्याण सोसायटी ने राज्य राज्य कमेटी के आह्वान पर राज्यपाल हरियाणा के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सोपा। सभी जन सगठनों ने जवाहर पार्क कैथल मे सभा की ओर जवाहर पार्क से पेहवा चौक तक प्रदर्शन किया। इसकी अध्यक्षता दलित अधिकार मंच के सीनियर साथी अमृत लाल ने की। संचालन एसकेएस के जिला प्रधान व दलित आधिकार मंच के राज्य उप संयोजक शिवचरण ने किया। सभी ने हत्या पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

कैथल। आइपीएस पूरन कुमार मामले में दलित अधिकार मंच प्रदर्शन करते हुए।

नरवाना। कॉलेज में गठित किए गए संघ के सदस्य प्रिंसिपल डॉ॰ मीनू सिंह के साथ।

केएम राजकीय कॉलेज में वाणिज्य-प्रबंधन विभाग संघ का गठन

नरवाना । केएम राजकीय महाविद्यालय नरवाना में वाणिज्य एवं प्रबंधन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर उषा शर्मा के निर्देशन में वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग संघ का गठन किया गया। इस संघ का गठन विद्यार्थियों की प्रबंधन क्षमताए नेतृत्वए गुण और टीम भावनाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। क्लब को सुचारू रूप से चलाने के लिए अध्यक्ष पद पर परमजीत बीकॉम द्वितीय वर्षए उपाध्यक्ष तनु बीबीए द्वितीय वर्षए जनसंपर्क सचिव आसू बीकॉम प्रथम वर्ष तथा कोषाध्यक्ष निधि बीकॉम द्वितीय वर्ष और महासचिव रमनदीप कौर बीबीए द्वितीय वर्ष का चयन किया गया। इस संघ का चयन करते समय वाणिज्य विभाग एवं प्रबंधन विभाग के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

झूठा प्रलोभन देकर ठगी करवाने ठगों से रहें सतर्क : एसपी

कैथल। पुलिस ने ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब ऑफर का झूठा प्रलोभन देकर ठगी करवाने ठगों से सतर्क रहने के लिए एडवाइजरी जारी की है। इस संबंध में एसपी उपासना ने कहा कि तकनीक के इस युग में हर व्यक्ति कंप्यूटर व मोबाइल से जुड़ा हुआ है। ऐसे में साइबर अपराधी भी अपराध करने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ठगी करने वाले लोगो को ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब देने का ऑफर करते हुए दिन में 1 से 2 घंटे तक काम करके हजारों रुपये प्रतिदिन कमाने का लालच देते हैं। इस प्रकार के लुभावने ऑफर को देखकर लोग आसानी से इनके जाल में फंस जाते हैं। इससे बचने का प्रयास करें।

सनातन धर्म महिला महाविद्यालय में अंगदान जागरूकता अभियान कार्यक्रम

अंगदान महादान, इससे किसी को भी मिल सकता है जीवनदान

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जगदीप ढांडा प्रशासनिक अधिकारी रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरवाना

नरवाना। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं को अंगदान के बारे में जागरूक करते हुए वक्ता।

सनातन धर्म महिला महाविद्यालय की रेडक्रॉस सेल एवं परवाज एक उड़ान चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में अंगदान जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्या डॉ अंजना लोहान ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जगदीप ढांडा प्रशासनिक अधिकारी रहे। मंच संचालन डॉ शालू गर्ग ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां शारदा के सामने दीप प्रज्वलित करके की गई। डॉ शालू ने परवाज एक उड़ान संस्था के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि अंगदान महादान है। एक अंग को पा कर कोई दिव्यांग पूर्ण व्यक्तित्व शरीर को धारण कर लेता है।

संस्था को 2024 के राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ अंगदाता पुरस्कार से सम्मानित

रेडक्रॉस सेल की इंचार्ज एवं इस कार्यक्रम की संयोजिका डॉ अनीता छाबड़ा ने परवाज एक उड़ान के सभी सदस्यों का परिचय देते हुए संस्थान के द्वारा जो सामाजिक कार्यक्रम किए जा रहे हैंए उन सब कार्यों के बारे में बताया। संस्था गरीब बच्चों की पढ़ाई लिखाई में सहायताए पर्यावरण संरक्षणए गौरैया संरक्षणए स्वास्थ्य जागरूकताए अंगदान जागरूकता व पंजीकरण अभियान आदि कार्यक्रम करवाती है। इस संस्था को 2024 के राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ अंगदाता पंजीकरण पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। अंगदान के विषय में मुख्य अतिथि ने कहा कि एक अंग का दान हमारे किसी दिव्यांग के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है। हमें किसी न किसी रूप में समाज के काम आना चाहिए। सभी छात्राओं और स्टाफ सदस्यों को अंगदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्या डॉ अंजना लोहान ने परवाज एक उड़ान के अध्यक्ष जगदीप ढांडा एवं उनकी टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ अंजना लोहान ने छात्राओं को अंगदान के लिए प्रेरित करते हुए स्वयं भी अपने अंगदान का रजिस्ट्रेशन करवाया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि को महाविद्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस सफल कार्यक्रम की उपलब्धि पर संस्था के प्रधान सुरेश सिंघलए उप प्रधान राजकुमार गोयलए महासचिव जियालाल गोयल व कोषाध्यक्ष धर्मवीर गोयल ने बधाई दी।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 12 अक्टूबर 2025
P-1

दीपावली सदियों से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाई जा रही है। लेकिन अब इसका स्वरूप राष्ट्रीय, आर्थिक और भावनात्मक एकता का रूप ले चुका है। दीपावली की चमक अब केवल तेल के दीयों में नहीं रही बल्कि डिजिटल स्क्रीन, वैश्विक समारोहों, आर्थिक गतिविधियों में भी हर जगह भारत की सांस्कृतिक शक्ति के रूप में झिलमिलाती है।

धर्म-संस्कृति-आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का महापर्व दीपावली

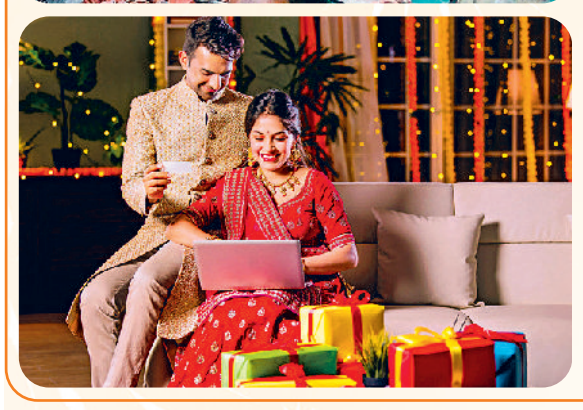

{ आवरण कथा }
शैलेंद्र सिंह

दीपावली अगर पहले के दौर में केवल दीप और पूजा का पर्व था, तो आज यह डिजिटल भारत की संपन्नता और सशक्ति का प्रतीक बन चुकी है। आज हर राज्य, हर भाषा और हर वर्ग के लोग अलग-अलग तरीके से दीपावली को जोरदार तरीके से सेलिब्रेट कर रहे हैं। यह भारत के किसी भी अखिल भारतीय उत्सव का सबसे बड़ा सिंबल है। एक जमाना था, जब गांवों में मिट्टी के दीयों से रोशनी की कतार झिलमिलाती थी। आज उत्तर हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, देश के सभी शहरों में एलईडी की इंद्रधनुषी झालरें दीपावली के मौके पर संपन्नता की अठखेलियां करती हैं। साथ ही ऑनलाइन दुनिया में डिजिटल ग्रीटिंग्स की भरमार है। दरअसल, दिवाली अब हमारे आर्थिक, सांस्कृतिक वजूद का इंजन बन चुकी है।

होगी कई लाख करोड़ की खरीदारी

दीपावली अब केवल आस्था का त्योहार नहीं बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का महापर्व है। यकीन न आए तो कुछ आंकड़ों पर गौर कर सकते हैं। साल 2024 की दीपावली तिमाही में खरीदारी तकरीबन 4.5 लाख करोड़ तक पहुंच गई थी। इस साल अनुमान है कि यह आंकड़ा 6 लाख करोड़ तक पहुंचेगा। मतलब बिहार जैसे राज्य के लगभग दो सालों का समूचा सालाना बजट के बराबर दिवाली के मौके पर खरीदारी में खर्च हो जाएगा। अकेले ई-कॉमर्स सेक्टर में ही दीपावली के आस-पास अब तक 90 हजार करोड़ की ऑनलाइन बिक्री हो चुकी है। उम्मीद है कि यह तकरीबन पौने दो से दो लाख करोड़ तक पहुंचेगी। ऑटो मोबाइल्स, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक और ज्वेलरी जैसे क्षेत्र में इस सीजन बिक्री के नए मानदंड रचे जाने हैं। मतलब यह कि दिवाली अब भारतीय अर्थव्यवस्था की धड़कती नब्ज बन चुकी है।

डिजिटल कंपनियों को भी रहता है इंतजार

यह त्योहार अब केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक और सांस्कृतिक एकता का भी बड़ा अवसर बन चुका है। आज दीपावली एक किसान से लेकर स्टार्टअप फाउंडर तक के लिए आर्थिक रोशनी की नई उम्मीद बनकर आती है। इस डिजिटल युग में दीपावली सिर्फ घरों या मंदिरों तक नहीं सीमित बल्कि सोशल मीडिया, डिजिटल क्रिएटिविटी और तकनीकी नवाचार का त्योहार बन गई है। 'हैप्पी दीपावली' कहना या लिखना, हर साल दुनियाभर के ट्रेंडिंग टॉपिक्स में शामिल रहने वाला सबसे हॉट विषय होता है। गूगल और एप्पल जैसी कंपनियां दीपावली का महीनों पहले से इंतजार करती हैं। इस मौके पर विशेष डूडल और थीम्स जारी करती हैं। डिजिटल आर्टिस्ट और कंटेंट क्रिएटर्स दीपावली को भारतीय पहचान का वैश्विक प्रतीक मानते हैं। भारत के स्टार्टअप इस मौके पर विशेष फेस्टिव कैंपेन लांच करते हैं जैसे- मेड इन इंडिया जिसमें एक नया संदेश छिपा होता है। कहने का मतलब यह कि दीपावली अब घर-घर की नहीं बल्कि स्क्रीन-स्क्रीन की रोशनी बन चुकी है और पूरे भारत को एक डिजिटल सांस्कृतिक धारा में जोड़ रही है।

बन चुका है ऑल इंडिया फेस्टिवल

आज दीपावली भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से परे जा चुकी है। जहां पहले लोग कहते थे कि हर राज्य अपने-अपने तरीके से दीपावली मनाता है, वहीं अब देखा जा रहा है कि यह संपूर्ण भारत का एक साझी रंगत वाला त्योहार बन चुका है। मॉल्स, कालोनियां, ऑफिसेस, हाउसिंग सोसायटी आदि सब जगह दीपावली के अखिल भारतीय सेलिब्रेशन के दर्शन होते हैं। आज दिवाली भाषा, धर्म, क्षेत्र और वर्ग की सीमाओं को लांघकर अखिल भारतीय उत्सव बन चुकी है, जो सभी भारतीयों को एक साझा पहचान देती है।

विदेशों में भी जगमगाती दीपावली

आज दुनिया में ब्रांड इंडिया की चमक का एक हिस्सा जगमग दीपावली भी है। भारत को वैश्विक ब्रांड के रूप में देखें तो दीपावली उसकी सिग्नेचर इमोशन बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयॉर्क, लंदन, दुबई और सिंगापुर में इंडियन दिवाली नाइट आयोजित होती हैं। बुर्ज खलीफा पर भारतीय दिवाली की लाइट शो अब हर साल की परंपरा है। व्हाइट हाउस में, ब्रिटिश पार्लियामेंट और कनाडा में, लेचिसलेचर और दीपावली के दीये जलाना अब ग्लोबल सॉफ्टपावर का प्रतीक है। जरा गौर कीजिए इन आयोजनों के केंद्र में सिर्फ धार्मिकता नहीं होती बल्कि भारतीय आधुनिकता, बहुलता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के दर्शन होते हैं। यह वही आत्मविश्वास है, जो बताता है कि भारत अपनी परंपरा को 21वीं सदी के फ्रेम में फिट करने में सक्षम है।

आधुनिकता-आर्थिक संपन्नता का प्रतीक

देश के हर क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों की चरम स्थिति, छोटे दुकान से लेकर ई-कॉमर्स के दिग्गज तक दीपावली को अपनी ताकत से जोड़ते हैं। इस तरह यह एक फेस्टिवल टेक्नोलॉजीकरण भी है। डिजिटल पेमेंट, ई-गिफ्ट और सोशल मीडिया ने त्योहार को एक साझा राष्ट्रीय अनुभव बना दिया है। इसलिए दीपावली अब भारत का कल्चरल एक्सपोर्ट बन चुकी है, जो भारतीय प्रवासियों के माध्यम से विश्व स्तर पर मनायी जाती है। कुल मिलाकर दीपावली अब महज एक धार्मिक या सांस्कृतिक त्योहार भर नहीं बल्कि यह भारत की आर्थिक ताकत और आधुनिकता का सबसे सशक्त प्रतीक बन चुका है। *

देश का पावरफुल कल्चरल सुपर ब्रांड

आज के दौर में दीपावली आधुनिक भारत का सबसे पावरफुल सुपर ब्रांड बन चुकी है। हर सफल आधुनिक राष्ट्र के पास एक साझा भावनात्मक प्रतीक होता है। जैसे अमेरिका के पास थैंक्स गिविंग, चीन के पास स्प्रिंग फेस्टिवल, जापान के पास चेरी ब्लॉसम फेस्ट, उसी तरह भारत के पास दीपावली जैसा पर्व है। यह त्योहार भारत की सांस्कृतिक निरंतरता और आधुनिक आकांक्षाओं को भी बहुत करीब से व्यक्त करता है। दीपावली आज महज एक सालाना पर्व नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की गहराई, हमारी तकनीकी उन्नति की चमक, व्यापार की मजबूती, उसकी सक्रियता और सामाजिक एकता की प्रतीक भी बन चुकी है यानी, दिवाली अब केवल धार्मिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक गतिविधि है, जो भारत को परंपरा से प्रगति तक जोड़ने वाला पुल बनाती है। दीपावली आज अखिल भारतीय आधुनिक संस्कृति की धुरी है। हर भारतीय समुदाय हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख अपने-अपने अर्थों में इसे अपनी विरासत का जीवंत हिस्सा मानते हैं।

एक समय तक दीपावली के मौके पर परिवार, मित्रों, रिश्तेदारों के साथ खेल के तौर पर जुआ खेलने की परंपरा रही। लेकिन हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग के जरिए गैंबलिंग की लत ने बड़ा सामाजिक-आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। इस बारे में अवेयर रहने की जरूरत है।

भारी नुकसान दे सकती है ऑनलाइन गेमिंग की लत

{ अवेयरनेस }
एन.के. अरोड़ा

शगुन और परंपरा के नाम पर जिस तरह से हाल के सालों में लोगों द्वारा दीपावली के मौके पर ऑनलाइन जुए का ट्रेंड बढ़ा है, उसके कारण गैंबलिंग की लत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यह न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक चिंता का भी विषय है। परंपरा के नाम पर आजमाई जा रही इस खतरनाक आदत के कारण लोगों की जिंदगी ही आर्थिक संकट से घिर गई है।

परंपरा के नाम पर ऑनलाइन गेमिंग: यह मान्यता है कि दीपावली के अवसर पर जुआ खेलना शुभ होता है। इसलिए लोग परंपरा के नाम पर आमतौर पर दीपावली के मौके पर आपस में जुए की गतिविधियों पर हाथ आजमाते हैं। लेकिन कई बार इसके जरिए दीपावली जैसे रोशनी, मेलजोल और खुशियों के त्योहार को परेशानियों का सबब बना लेते हैं। नतीजतन रोशनी के इस त्योहार के ऐन मौके पर उनके घरों में परेशानियों का अंधेरा छा जाता है।

बुरा एडिक्शन है ऑनलाइन गेमिंग: दीपावली की रात ही नहीं ऑनलाइन गैंबलिंग ऐसा एडिक्शन बन गया है, जो सामान्य दिनों में भी लोगों की बर्बादी का कारण बन रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि पुलिस भी इस बुराई पर चाहकर भी प्रभावी प्रतिबंध नहीं लगा पाती, क्योंकि यह सारी गतिविधि एक स्मार्टफोन की स्क्रीन या किसी डिजिटल एप्स तक सिमटकर रह गई है, जो एक क्लिक के साथ ही हमारी पकड़ से बहुत दूर जा चुकी होती है।

क्यों-कैसे फंस जाते हैं इस दुष्चक्र में: पहले जुआ खेलने के लिए ऐसी कोई खास सुरक्षित जगह ढूंढ़नी पड़ती थी, जहां तक पुलिस और समाज पर नैतिक दबाव बनाने वाले लोगों की पहुंच न हो या इन लोगों को यहां तक पहुंचने में मुश्किल हो। लेकिन आज की तारीख में ऑनलाइन गेमिंग या मोबाइल के स्क्रीन पर संपन्न होने वाला जुआ इतना आसान हो गया है कि हम जब चाहें और जहां से चाहें, इसे खेल सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि करोड़ों, अरबों के आर्थिक आधार वाली बड़ी-बड़ी कंपनियां इसके लिए हमें बोनस और विज्ञापन के जरिए ललचाती हैं। साथ ही लोगों को डिजिटल गतिविधियों के जरिए ललचाकर फंसाने वाली कंपनियां 'दिवाली ऑफर', 'लकी स्पिन', 'कैश बोनस', जैसी रसीली बातों से हमें फांसते हैं और देखते ही देखते हम इन पैसे चूसने वाली स्कीमों के चक्कर में फंस जाते हैं। बस एक जीत के जरिए जिंदगी को मालामाल करने की तमन्ना से हम अपने पास जो भी होता है, सब कुछ बड़ी आसानी से गंवा देते हैं और इस तरह धोखे-धोखे में लाखों, करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग में फैले गैंबलिंग के खेल से कंगाल हो जाते हैं।

गंवा देते हैं हजारों करोड़: हर साल लाखों लोगों की बर्बाद कहानियों के बावजूद, लोग इनसे सबक लेने की बजाय अगली बर्बाद कहानियों का हिस्सा बनने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक पिछले पांच सालों से हर साल दीपावली के मौके पर अनुमानतः आम लोग 15 से 20 हजार करोड़ रुपए तक इस ऑनलाइन जुए में गंवा बैठते हैं, जो उनकी जिंदगीभर की गाढ़ी कमाई होती है। यही कारण है कि आजकल रोशनी के इस पर्व में हर साल लाखों लोगों की जिंदगी में हमेशा-हमेशा के लिए अंधकार भर जाता है।

कानूनी स्थिति: हालांकि पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 के तहत जुआ एक सार्वजनिक सामाजिक अपराध है। लेकिन दुर्भाग्य से हमारी हथेली में अटके मोबाइल की स्क्रीन पर धूम-धड़ाके से चलने वाली जुए की महफिलों पर कानून नहीं लागू होता था। हालांकि इस सबके बावजूद तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग के कई रूपों पर प्रतिबंध लगाया है, बावजूद इसके दिवाली की रात जुए के लिए बेकरार करोड़ों लोगों को यह आंशिक प्रतिबंध बर्बाद होने से नहीं बचा पाते। यही वजह है कि जोर-शोर से लाखों लोग ऑनलाइन गेमिंग पर हर तरह से प्रतिबंध लगाने की बात करते हैं। लेकिन आजादी और लोकतंत्र के नाम पर उतने ही लोग इसे रेगुलेट करने की वकालत करते हैं। यही कारण है कि हर साल लाखों लोगों के ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बाद हो जाने के बावजूद इस पर प्रतिबंध नहीं लग रहा। हालांकि 1 अक्टूबर से देश भर में ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025 लागू हो गया है। इसमें रियल मनी गेमिंग संचालित करने वाली कुछ कंपनियों और एप्स पर बैन लगा दिया गया है। इसका प्रचार करने वालों पर भी कड़े दंड का प्रावधान है।

दूर रहने का लें संकल्प: दीपावली की रोशनी तभी हमारे लिए सार्थक होगी, जब वह हमारे परिवारजनों के चेहरों पर खुशियों का उजास फैलाए, न कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बादी का अंधेरा छाए। इसलिए इस साल ऑनलाइन गेमिंग से दूरी बनाने के लिए संकल्प लें। *

{ गजल }
अब्दुल कलाम

मन के फेर हैं बाबा

इधर देखो जिधर देखो मचा अंधेर है बाबा
सलामत दिन निकल जाए तो समझो खैर है बाबा

कोई सूरत तो फिर निकले कि सच का बोल-बाला हो
मगर निकले भी कैसे झूठ इतना दिलेर है बाबा

आग की जद में शहर जो आ गया तो फिर
बचेगा कुछ नहीं हिजरत में फिर क्यों देर है बाबा

मिटाने हम चले हैं देश की फिरका परस्ती को
जहां पर खून के रिश्तों में देखे बैर है बाबा

यहां सर पे कफन हमने ही बांधा वक्त जब आया
वो कहते हैं कि हम उनके लिए अब गैर हैं बाबा

फाइलों में दब के रह जाती है अब फरियाद भी
कोर्ट-कचहरी न्याय सब मन के फेर हैं बाबा

{ लघुकथाएं }

अनमोल लम्हे

रिटायरमेंट के बाद निर्माण नगर में ही रहना विनीत। सभी दोस्त साथ में मस्ती करेंगे।' शैलेंद्र ने विनीत से कहा, जब वह किसी काम से निर्माण नगर आया हुआ था।

'हां! देखता हूं।' विनीत ने कहा। पर मन ही मन वह सोच रहा था कि क्या है इस शहर में? दिल्ली में जिस सोसाइटी में वह रहता है, वहां कितना अच्छा पार्क है, जिम है, स्विमिंग पूल है। हर अवसर पर कुछ न कुछ बढ़िया कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। अच्छा जीवन कटेगा वहां। यही सब सोचकर रिटायरमेंट के बाद विनीत निर्माण नगर के बजाय दिल्ली में ही बस गया। सुबह मॉर्निंग वॉक, फिर जिम और उसके बाद स्विमिंग। बीच-बीच में सोसायटी की मीटिंग और अकसर तरह-तरह के कार्यक्रमों में शामिल होना। विनीत का यही रूटीन हो गया था। वह सोचने लगा कि जीवन का पूरा मजा वह ले रहा है।

कुछ समय बाद उसे किसी काम से फिर निर्माण नगर जाने का मौका मिला। तब तक उसके अधिकांश दोस्त रिटायर हो चुके थे। उसने देखा कि सुबह-सुबह कई दोस्त मॉर्निंग वॉक पर इकट्ठे होते हैं। फिर शुरू होती हैं बचपन की बातें और हंसी-ठहाके। कोई अपने टीचर के नकल उतारने वाली हरकत के बारे में बताता तो कोई एक-दूसरे के साथ की जाने वाली शैतानियों के किस्से सुनाता। और भी कई तरह-तरह की बातें वे सब आपस में करते हैं। इसी तरह शाम को भी सारे दोस्त इकट्ठे हो जाते और फिर शुरू हो जाता ठहाकों का दौर। दिल खोल कर हंसते थे सभी दोस्त। ऐसा लगता मानो फिर से वे बचपन की मस्ती का आनंद लेने लगे हों।

अपने दोस्तों के मस्ती भरे अंदाज को देखकर विनीत सोचने लगा वैसे तो दिल्ली में जीवनशैली और सुख-सुविधाएं यहां से बेहतर हैं, पर बचपन के दोस्तों के साथ यह मौज-मस्ती वहां नहीं मिल पाती है। विनीत ने मन ही मन खुद से कहा, 'सच में ये आनंद भरे पल अनमोल हैं।' *

-विनय कुमार पाठक

फॉलोवर्स

आदित्य ने सुबह नींद से जगते ही अपना इंस्टा अकाउंट चेक किया। 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख हो गई है।' मोबाइल पर नोटिफिकेशन था। आदित्य जोश में आ गया। मुट्ठियां बंद कर हाथों को झटकते हुए कहा, 'यस!' वह काफी दिनों से अपने इंस्टा अकाउंट पर फॉलोवर्स की संख्या बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ था। आदित्य मुंबई में रहता है। उसका टू बीएचके फ्लैट है। कुछ वर्ष पहले उसके मम्मी-पापा की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। वह उनकी अकेली संतान है। बस उसके दादाजी हैं, जो मुंबई से दूर एक गांव में रहते हैं। जब तक मम्मी -पापा रहे तब तक वह उनसे मिलने जाता था। उसके बाद वह कभी गांव नहीं गया। अभी वह अपना मोबाइल देख ही रहा था कि दरवाजे की घंटी बजी। उसने जाकर दरवाजा खोला। सामने एक बुजुर्ग आदमी थे।

'जी कहिए..।'

'तुम निशिकांत के पोते आदित्य हो?'

'जी, आप कौन?'

'मैं दयाल! निशिकांत ने मुझे भेजा है। उसकी तबीयत बहुत खराब है। शायद अब ज्यादा जीवित न रहे। मरने से पहले तुमको देखना चाहता है। मेरे साथ अभी गांव चलो।'

'अभी! एकदम से?'

'हां, नहीं तो शायद तुम अपने दादाजी को आखिरी बार भी ना देख सको।'

'देखिए, अभी मेरे पास बहुत सारे जरूरी काम पेंडिंग हैं। ऐसा करिए, आप जाकर उनसे कह दीजिएगा, मैं रविवार को आऊंगा। हां मेरा मोबाइल नंबर भी लेते जाइए। मुझे फोन पर दादाजी से बात करा दीजिएगा।'

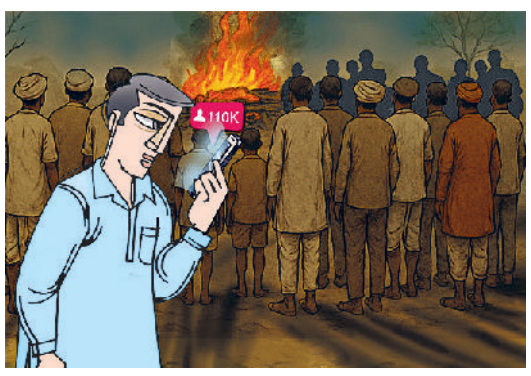

दयाल निराश होकर वापस लौट गए। आदित्य चंद मिनटों तक दादाजी के बारे में सोचता रहा। जैसे ही उसे फॉलोअर्स का ख्याल आया वह उन्हें भूल गया। उसके हाथ तेजी से मोबाइल पर चलने लगे। अगले दिन सुबह-सुबह उसके पास फोन आया, 'तुम्हारे दादाजी नहीं रहे।' दयाल की ही आवाज थी।

'ओह! मैं आता हूं।' आदित्य ने कहा। उसने फौरन अपने बैग में दो जोड़ी कपड़े लिए और गांव के लिए रवाना हो गया। करीब पांच-छह घंटे का रास्ता था। मगर जिस ट्रेन में वह बैठा था, वह जगह-जगह रुक रही थी। छह घंटों में वह आधे रास्ते भी न पहुंच सका। अगले स्टेशन पर पहुंचकर वह ट्रेन से उतर गया और गांव जाने वाली बस पकड़ ली। मगर दुर्भाग्य कि बीच में सड़क धंसने से बस आगे न जा सकी। गांव अब भी तीस किलोमीटर दूर था। वह बाइक सवारों से लिफ्ट लेता हुआ किसी तरह गांव पहुंचा। तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूरज ढल चुका था। अंधेरा हो रहा था। हर ओर सूनापन फैल रहा था। दादाजी के घर के दरवाजे पर कुछ महिलाएं खड़ी थीं। उसने उनसे दादाजी के बारे में पूछा।

'हमें लगा अब तुम नहीं आओगे। इसलिए गांव वाले उनको श्मशान घाट ले गए।' वह श्मशान घाट की ओर दौड़ा। उसके दादाजी का शव चार लोग अपने कंधे पर उठाए चले जा रहे थे। पीछे-पीछे ढेर सारे गांव वाले थे। वह वहीं ठिठक गया। उसे तो लगा था, उसके बिना दादाजी को भला कौन कंधा देगा। मगर यहां तो पूरा गांव है दादाजी के पीछे। गांव वालों ने चिता सजाई और दादाजी का शव अग्नि को समर्पित कर दिया। आदित्य भीड़ के पीछे ही ठिठका रहा, आगे नहीं आया। तभी उसके मोबाइल पर नोटिफिकेशन आया 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख दस हजार हो गई है।' *

-सरस्वती रमेश

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

जिंदगी@मगनपुर इस्टेट

वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय का तीसरा उपन्यास 'जिंदगी@मगनपुर इस्टेट' हाल में ही प्रकाशित होकर आया है। इस नॉस्टेल्जिक उपन्यास का मुख्य पात्र एक बुजुर्ग शख्स विमान भौमिक है, जो मगनपुर इस्टेट में बिताए अपनी किशोरावस्था के दिनों को याद करता है। लेकिन उसमें कहीं भी भावुकता का अतिरेक या पुराने दिनों के प्रति मोह की सांद्रता नजर नहीं आती है। वो खिलंदड़े अंदाज में बीती हुई घटनाओं को याद करता है। पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक के बीच की पृष्ठभूमि पर रचा गया यह उपन्यास, उस दौर के मध्यवर्गीय परिवार के किशोरों की जीवनशैली, उनके सपने, उनकी बचकानी हरकतें और छोटी-छोटी खुशियों को भी बटोर लेने की उनकी ललक को बहुत रोचक तरीके से सामने लाता है। हालांकि इस उपन्यास का कथानक और उसमें उपस्थित सभी पात्र काल्पनिक हैं लेकिन जो भी लोग लेखक को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, वो सहज ही इस उपन्यास के कथा-तंतुओं से वास्तविक छवि को बुन सकते हैं। लेखक के किस्सागोई के अंदाज में पाठक को बांधे रखने का जादुई सामर्थ्य है। *

पुस्तक: जिंदगी@मगनपुर इस्टेट (उपन्यास)
लेखक: गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 299 रुपए,
प्रकाशक: सर्वभाषा ट्रस्ट, दिल्ली

अमेजिंग स्पॉट्स / रजनी अरोड़ा

इन दिनों फेस्टिवल सीजन चल रहा है। आपके घर के आस-पास और बड़ी मार्केट्स में खूब रौनक और भीड़-भाड़ दिख रही होगी। बाजार ऐसा स्थान होता है, जहां से हम सभी अपनी जरूरत का हर सामान खरीद सकते हैं। लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे भी बाजार हैं, जो अपनी खूबसूरती, भव्यता, अद्भुत सामानों की बिक्री और अनोखेपन के कारण बहुत मशहूर हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे बाजारों और उनकी विशेषताओं पर एक नजर।

ये हैं दुनिया के कुछ अनोखे-प्रसिद्ध बाजार

डम्नोएन सडुआक फ्लोटिंग मार्केट

यह अनोखा बाजार थाईलैंड में बैंकॉक से लगभग 100 किमी. दक्षिण-पश्चिम में राजबुरी इलाके में लगता है। डम्नोएन मार्केट थाईलैंड के सबसे मशहूर और बड़े तैरते हुए बाजारों में से एक है। इस

बाजार का निर्माण 19वीं सदी के अंत में तत्कालीन राजा रामचतुर्थ के आदेश पर हुआ था। जिसका उद्देश्य माइकलोंग और थाची नामक नदियों को आपस में जोड़ना और उनके माध्यम से व्यापार को सुगम बनाना था। आज यह बाजार सदियों पुरानी थाई परंपरा को दर्शाता है। यहां महिला विक्रेता ज्यादा हैं, जो पारंपरिक कपड़े पहनकर लकड़ी की छोटी नावों पर सामान बेचती हैं। इनमें फल, सब्जियां, ताजा पका हुआ स्ट्रीट फूड, स्थानीय उत्पादों के साथ-साथ हस्तशिल्प का सामान होता है। यह बाजार सुबह सात से नौ बजे तक सबसे अधिक व्यस्त रहता है। इच्छुक खरीदार ही नहीं, इस अनोखी फ्लोटिंग मार्केट में घूमने और इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक भी नाव से आते हैं।

ईमा कीथेल मार्केट

यह अनोखा बाजार भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की राजधानी इंफाल में लगता है। यह बाजार लगभग 500 वर्ष पुराना है और एशिया के सबसे बड़े बाजारों में गिना जाता है। ईमा केथेल बाजार की नींव 16वीं शताब्दी में लल्लुप काबा के विरोधस्वरूप हुई मानी जाती है। उस समय पुरुषों को जबरन बंधुवा मजदूर बनाने और दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने के लिए भेजने की प्रथा थी। जिसके चलते महिलाओं को घर की आर्थिक जिम्मेदारी संभालने की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। उन्हें खेती, विभिन्न खाद्य पदार्थ, घरेलू सामान, परंपरागत सिलाई-बुनाई, हस्तकला निर्मित वस्तुओं का निर्माण,

मछली पकड़ने जैसे कार्य करके अपने उत्पाद बेचने पड़े। तभी यह बाजार अस्तित्व में आया।

आज ईमा कीथेल मार्केट दुनिया में एकमात्र ऐसा बाजार है, जो पूरी तरह से महिला विक्रेताओं तकरीबन (6000) द्वारा संचालित किया जाता है। ईमा कीथेल नाम का मणिपुरी भाषा में अर्थ मां का बाजार है, जिसमें प्रायः सभी दुकानदारों को ईमा या मां कह कर संबोधित किया जाता है। यह मुख्यतया तीन खंडों में बंटा हुआ है। जहां घरेलू सामान, फल-सब्जियां, मसाले, विभिन्न प्रकार के जलीय जीव, मणिपुरी पारंपरिक वस्त्र और बुनाई के उत्पाद मिलते हैं। यह केवल एक व्यापारिक केंद्र नहीं, बल्कि मणिपुर की महिलाओं की आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण, गौरव और सामाजिक-आर्थिक महत्व का एक जीवंत प्रतीक है।

मेकलॉन्ग रेलवे मार्केट

थाईलैंड के सामुन सोंग खराम प्रांत में लगने वाली मेकलॉन्ग रेलवे मार्केट को स्थानीय भाषा में तलात रोखूप या फोल्डिंग अंब्रेला मार्केट भी कहा जाता है। यह दुनिया के सबसे अनूठे और रिस्की बाजारों में से एक है। यह बाजार अपनी बिक्री वाले सामान के लिए नहीं, बल्कि एक्टिव रेलवे ट्रैक के किनारे बने होने और भारी आवाजाही के कारण मशहूर है। यानी, बाजार के दुकानदार ही नहीं, खरीदार भी रेलवे ट्रैक पर सामान खरीदते-बेचते हैं। यहां ताजे फल, सब्जियां, समुद्री भोजन और अन्य घरेलू सामान मिलता है। इस बाजार का सबसे बड़ा आकर्षण और अनोखापन है ट्रेन का बाजार के बीचों-बीच दिन में आठ बार गुजरना। जैसे ही ट्रेन के आने का हॉर्न बजता है, सभी दुकानदार रेलवे ट्रैक तक पहुंचने वाले अपनी-अपनी दुकान के तिरपाल, छतरियां और सामान तुरंत हटा लेते हैं। रेलवे ट्रैक पर बेखौफ चलने वाले खरीदार भी रास्ता देकर ट्रेन के गुजरने का इंतजार करते हैं। ट्रेन के चले जाने पर बिना देर किए दुकानें फिर सजा लेते हैं और कुछ पलों के लिए थमे बाजार की रौनक दुबारा शुरू हो जाती है। यह अनूठी दिनचर्या जहां स्थानीय वाणिज्य और रेल परिवहन के बीच तालमेल का एक शानदार उदाहरण है, वहीं यहां आने वाले पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

ग्रैंड बाजार

तुर्की देश के इस्तांबुल शहर में स्थित ग्रैंड बाजार को तुर्की भाषा में कापाली चार्शी कहा जाता है। इसका निर्माण 1455 में ऑटोमन साम्राज्य के सुल्तान मेहमेद द्वितीय के आदेश पर शुरू हुआ था। अपनी जटिल वास्तुकला, गुंबददार छत और ऐतिहासिक भव्यता के कारण यह बाजार सिर्फ

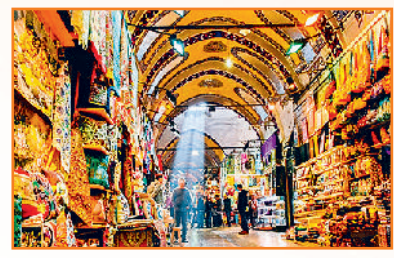

एक शॉपिंग डेस्टिनेशन नहीं है। बल्कि तुर्की की संस्कृति, इतिहास और एशिया-यूरोप के मध्य में एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र के रूप में इस्तांबुल की भूमिका को दर्शाता, जीता-जागता संग्रहालय भी कहा जा सकता है। आज ग्रैंड बाजार दुनिया के सबसे बड़े और सबसे खूबसूरत बाजारों में से एक है। इसमें 61 से अधिक कवर किए गलियारे और 4000 से अधिक दुकानें हैं। सदियों से व्यापार और वाणिज्य का केंद्र रहे ग्रैंड बाजार में लाखों पर्यटक और खरीदार रोजाना पहुंचते हैं। हस्तनिर्मित टर्किश कालीन, रंगीन सेरेमिक की वस्तुएं, सोने-चांदी के आभूषण, चमड़े के सामान के साथ विभिन्न प्रकार के मसाले, आकर्षण का केंद्र हैं। खरीदारी के लिए मोल-भाव करने का प्रचलन भी यहां है, जो आगुंतकों के खरीदारी के अनुभव को अधिक रोमांचक बना देता है। *

डल झील बाजार

भारत के केंद्र शासित प्रदेश कश्मीर की डल झील पर लगता है यह तैरता हुआ डल झील सब्जी बाजार। डल झील के बीच पानी में थोड़े समय के लिए लगने वाला बाजार कश्मीर घाटी की संस्कृति और सुंदरता का अद्भुत प्रतीक माना जाता है। यह भारत का इकलौता और दुनिया के चुनिंदा अनोखे बाजारों में एक है, जो पानी के ऊपर लगते हैं। इस बाजार का नजारा डल झील की शांत नीली पृष्ठभूमि और पहाड़ों की छाया के बीच कश्मीरी जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के साथ निवासियों के गहरे जुड़ाव को भी दर्शाता है। डल झील बाजार में रोजाना सुबह पांच से सात बजे तक चहल-पहल बनी रहती है। यानी इस बाजार से यदि किसी को सब्जियां खरीदनी हैं, तो उसे सुबह जल्द ही आना पड़ेगा। स्थानीय विक्रेता लोग शिकारा नाव पर सवार होकर इस बाजार में खुद उगाई सब्जियां लेकर बिक्री के लिए आते हैं। वहीं खरीदार भी अपने शिकारा पर सवार होकर आते हैं और चलते हुए एक नाव से दूसरी नाव पर खरीद-फरोख्त करते हैं।

यूनीक पेंटिंग / मनीष कुमार चौधरी

सदियों पहले इटेलियन पेंटर लियोनार्डो दा विंची द्वारा बनाई गई अद्वितीय पेंटिंग मोनालिसा का आकर्षण अब भी बरकरार है। इस यूनीक पेंटिंग से जुड़े कुछ रोचक तथ्यों पर एक नजर।

मोनालिसा की रहस्यमयी मुस्कान

लियोनार्डो दा विंची की प्रसिद्ध पेंटिंग मोनालिसा ने कल्पना को जितना मोहित किया है, उतना शायद ही किसी कलाकृति ने किया हो। उनके इस चित्र का रहस्य और आकर्षण 30 इंच X 20 इंच के साधारण फ्रेम से कहीं आगे तक फैला हुआ है। वह किताबों, फिल्मों, गीतों और यहां तक कि एक कला चोरी का विषय भी है। समय के साथ पेंटिंग का वार्निश भले ही धुंधला और पीला पड़ गया हो, लेकिन उनकी भावपूर्ण मुस्कान और रहस्यमयी निगाहें अभी भी चमकती हैं।

कौन थी असली मोनालिसाः हालांकि मोनालिसा की पहचान को लेकर कुछ मतभेद हैं। लेकिन ज्यादातर विद्वानों और कला इतिहासकारों का मानना है कि यह चित्र फ्रांसीसी संभ्रांत महिला लिसा डेल जियोकोंडो का है, जो एक धनी रेशम व्यापारी फ्रांसेस्को डेल जियोकोंडो की पत्नी थी। लिसा का जन्म 1479 में हुआ था और उन्होंने 15 साल की उम्र में फ्रांसेस्को से शादी की थी। वह बहुत सुंदर और आकर्षक थीं। लियोनार्डो ने 1503 में मोनालिसा को चित्रित करना शुरू किया और 1517 तक इस पर काम किया। हालांकि यह पेंटिंग डेल जियोकोंडो के घर में कभी नहीं सजी। लेकिन दुनिया भर में बहुत प्रसिद्ध हुई।

स्फुमाटो तकनीक का इस्तेमालः इस चित्र को बनाने में लियोनार्डो ने अपनी विशिष्ट स्फुमाटो तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें किसी व्यक्ति के फेस पेंटिंग में होंठों और आंखों के किनारों को सूक्ष्म रूप से धुंधला करके धुएं जैसा रहस्यमयी प्रभाव पैदा किया जाता है। इस प्रभाव से चित्र की आंखें विभिन्न भागों पर घूमती दिखती हैं, मुस्कुराहट बदलती हुई प्रतीत होती है। इस चित्र में ऐसे भाव प्रकट होते हैं, जिसको देखकर यह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि वह खुश है या उदास। वह मुस्कुरा रही है या नहीं। रहस्य का यही स्पर्श पेंटिंग के आकर्षण में इजाफा करता है और दर्शकों को मंत्र-मुग्ध कर देता है।

रहस्यात्मक मुस्कानः मोनालिसा की मुस्कान एक सीधी-सादी, हर्षित मुस्कान नहीं है। इसे अकसर उदासी, गंभीरता या किसी रहस्य का संकेत देने वाली मुस्कान

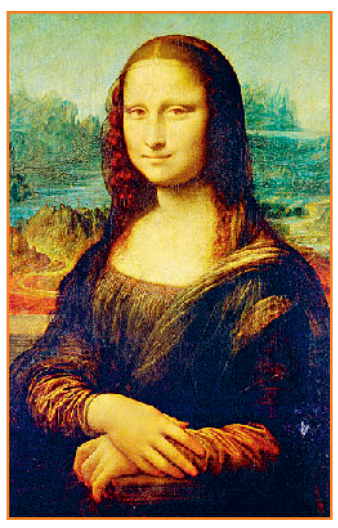

के रूप में वर्णित किया जाता है। यह मुस्कान लियोनार्डो की मानवीय अभिव्यक्ति और भावनाओं की बारीकियों को पकड़ने की असाधारण क्षमता को भी दर्शाती है। इस मुस्कान का पेंटिंग आर्ट पर अमिट प्रभाव रहा है, जिसने अनगिनत कलाकारों, लेखकों और फिल्म निर्माताओं को इसकी गहराई का पता लगाने और अपनी व्याख्याएं रचने के लिए प्रेरित किया है। इस पेंटिंग को अब तक की सबसे महान भावनात्मक पेंटिंग तक बताया गया है। कुछ इसे परंपरा से परे, परिभाषा से परे, छवि से परे सत्य की तलाश करते हुए पाते हैं। 'तुम्हारी मुस्कान मोनालिसा जैसी है।' यह कहने का मतलब है-रहस्य। यानी कोई मुस्कान रहस्य और जिज्ञासा से कैसे जुड़ जाती है, मोनालिसा की मुस्कान इसका एक सशक्त उदाहरण है। ऐसा माना जाता है कि मोनालिसा द्वारा अपनी मुस्कान में अपनी खुशी को पूरी तरह से व्यक्त न करने का कारण उनके पिछले नुकसान का दर्द था। यह सिद्धांत कई शोक संतप्त महिलाओं के साथ प्रतिध्वनित होता है।

लियोनार्डो की कलात्मकता का कमालः लियोनार्डो ने चीजों को गहराई से देखने की अपनी क्षमता और अध्ययनों को अपनी कला में भी शामिल किया। मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में लियोनार्डो की अंतर्दृष्टि और गहरी समझ, उनकी उत्कृष्ट कृतियों को अमूल्य बनाती है। एक अध्ययन के अनुसार, मोनालिसा के मुंह की मूल तस्वीर 97 प्रतिशत बार 'खुशी' के रूप में देखी गई। यह शोध इस बात के पुख्ता सबूत देता है कि मुस्कान वास्तव में खुशी का चित्रण है। मुस्कान के विभिन्न तत्वों का विश्लेषण और पुनर्निर्माण करके वैज्ञानिकों को इस बात की गहरी समझ मिली कि लियोनार्डो दा विंची अपनी कलात्मकता के माध्यम से दर्शकों की भावनाओं को कैसे प्रभावित करते थे।

चोरी भी हो चुकी पेंटिंगः लियोनार्डो अपनी इस पेंटिंग को 14 साल तक अपने साथ रखे रहे। उनके प्रशंसक कलाकारों और छात्रों ने उनके जीवनकाल में ही इस कलाकृति की प्रतियां बनाना शुरू कर दिया था। यह चित्र अंततः लियोनार्डो के अंतिम संरक्षक फ्रांस के राजा फ्रांसिस प्रथम के संग्रह में शामिल हो गया। लेकिन 21 अगस्त 1911 को यह पेंटिंग चोरी हो गई। अगले दो सालों तक उसकी चोरी की कहानी एक सांस्कृतिक सनसनी बनी रही। वर्ष 1913 में विंसेंजो पेरुगिया नामक व्यक्ति पकड़ा गया, जिसने इसे चुराया था। इस तरह मोनालिसा वापस अपने फ्रेम में पहुंच गई। *

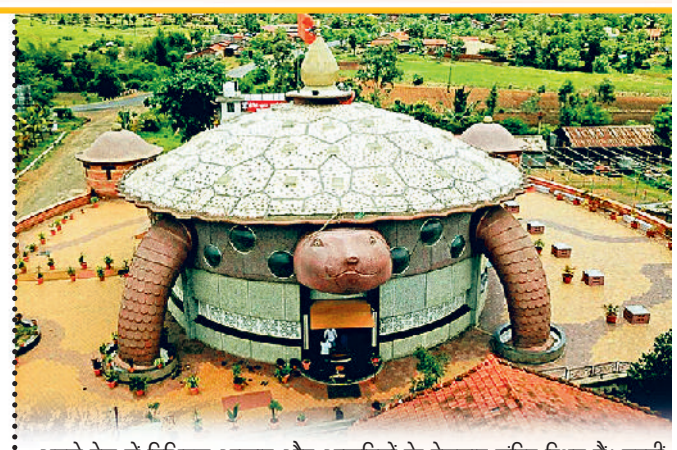

अपने देश में विभिन्न आकार और आकृतियों के बेशुमार मंदिर स्थित हैं। इन्हीं में से एक कछुए की आकृति वाला अनूठा मंदिर महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित है। इस मंदिर की विशेषताओं और इससे जुड़ी निर्माण कथा के बारे में जानिए।

कछुए की आकृति वाला अजब-अनूठा मंदिर

रोचक / अशोक वाधवाणी

अपने भारत देश में बहुत सारे ऐसे अद्भुत, अनूठे मंदिर हैं, जिन्हें देखने वाला मंत्रमुग्ध होकर निहारता रह जाता है। इनकी स्थापत्य कला का नायाब नमूना हर किसी को अचरज से भर देता है। कुछ की संरचना इतनी भव्य और अनूठी है कि उसे देखने दुनिया भर से लोग आते हैं। कुछेक मंदिर तो ऐसे हैं, जो आकार में छोटे हैं, लेकिन उनमें लोगों को आकर्षित करने की भरपूर क्षमता है। ऐसा ही एक अनोखा मंदिर पश्चिम

अपने अनोखे स्ट्रक्चर के कारण प्रसिद्ध है यह मंदिर

महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के पैजार वाडी नामक छोटे से स्थान में स्थित है, जो कि पन्हाला हिल स्टेशन के निकट है। कोल्हापुर-रत्नागिरी रोड पर, कोल्हापुर से महज 25 किमी. की दूरी पर बने इस मंदिर की विशेषता है, इसका कछुए की अनोखी आकृति का होना। कछुआ आकृति वाला दूसरा कोई मंदिर पूरे महाराष्ट्र में और कहीं नहीं है।

निर्माण से जुड़ी मान्यताः इस मंदिर के निर्माण से जुड़ी मान्यता के अनुसार एक समय में यहां पर श्रीदत्त चिले महाराज के नाम से एक प्रसिद्ध संत हुआ करते थे। वे अपने अनुयायियों के साथ अलग-अलग जगहों का भ्रमण किया करते थे। कोल्हापुर शहर के आस-पास की जगहों जैसे- टेंबलाई, नृहिंहवाड़ी, कोकण क्षेत्र में जोंध मारुति आदि के अलावा पंढ़रपुर जैसी धार्मिक जगहों पर वे अकसर जाते रहते थे। वे जहां भी जाते थे, उस इलाके में रहने वाले कछुओं को अवश्य याद करते थे। किसी स्थान पर पहुंचकर वे जब अपने अनुयायियों से कहते कि कछुआ यहीं-कहीं होना चाहिए, तो उनके शिष्यों की भाग-दौड़ शुरू हो जाती। उन शिष्यों के अचरज का ठिकाना नहीं रहता, जब गुरुदेव के कहे स्थान पर कछुए का दर्शन हो जाता था। श्रीदत्त महाराज का कछुए के प्रति इतना लगाव-जुड़ाव क्यों था? इसकी सही-सही जानकारी नहीं मिली। लेकिन उनके अनुयायी और शिष्य मानते थे कि महाराज जहां कह देंगे, वहां कछुआ जरूर दिख जाता था। वर्ष 1986 में उनके देह त्यागने के बाद उनकी समाधि बनाई गई। मंदिर ट्रस्ट के सारे सदस्यों ने योजना बनाई कि चिले महाराज का कछुए के प्रति आकर्षण को ध्यान में रखकर कछुए की आकृति वाला मंदिर बनवाया जाएगा।

मंदिर की संरचना-विशेषताः कुल 5000 स्क्वायर फीट एरिया में बने इस मंदिर की ऊंचाई 51 फुट, लंबाई 60 फुट और चौड़ाई 80 फुट है। इसकी विशेषता यह है कि मंदिर के निर्माण में किसी भी खंबे का सहारा नहीं लिया गया है। इसकी खूबियों, खासियतों को ध्यान में रखकर ही एक अमेरिकन संस्था ने इसे वर्ष 2005 'आउटस्टैंडिंग स्ट्रक्चर ऑफ द ईयर' के पुरस्कार से सम्मानित किया है।

ऐसे किया गया निर्माणः इस मंदिर की योजना को मूर्त रूप देने के लिए पुंडलिक राव इंगले ने विशेष प्रयास किए थे। इसे बनाने के लिए समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर आर्किटेक्ट्स द्वारा डिजाइनें मंगाई गईं। आखिरकार 15 में से एक आर्किटेक्ट प्रमोद बेरी की डिजाइन का चयन किया गया। इस तरह मंदिर का निर्माण पूरा किया गया। इस मंदिर के अंदर ही चिले महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई है, जो श्रद्धालुगणों की आस्था का केंद्र है।

लगता है श्रद्धालुओं का जमघटः ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष बाबा साहब चव्हाण के अनुसार देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का तांता, दर्शन करने के लिए इस मंदिर में लगा रहता है। कई विशेष धार्मिक अवसरों जैसे- श्रीदत्त जयंती, चिले महाराज जी की जन्मतिथि, पुण्यतिथि, हर माह की अमावस्या, गुरु पूर्णिमा, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आदि धार्मिक-आध्यात्मिक-सामाजिक अवसरों पर कई कार्यक्रमों का यहां आयोजन किया जाता है। *

जो फिल्में कॉमर्शियली सक्सेसफुल हैं, जरूरी नहीं कि वे कालजयी फिल्में भी हों। ऐसे ही यह भी जरूरी नहीं कि सदाबहार कालजयी फिल्मों का बॉक्स-ऑफिस रिकॉर्ड भी अच्छा रहा हो। बॉलीवुड की कुछ क्लासिक और कॉमर्शियली सक्सेसफुल फिल्मों के फंडे पर एक नजर।

बॉलीवुड की क्लासिक फिल्में वर्सेस कॉमर्शियली हिट फिल्में

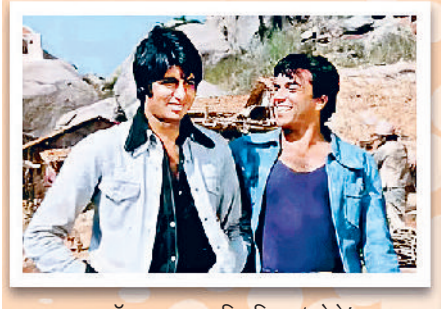

ब्लॉकबस्टर सुपरहिट फिल्म 'शोले'

कल्ट क्लासिक फिल्म 'मुगल-ए-आजम'

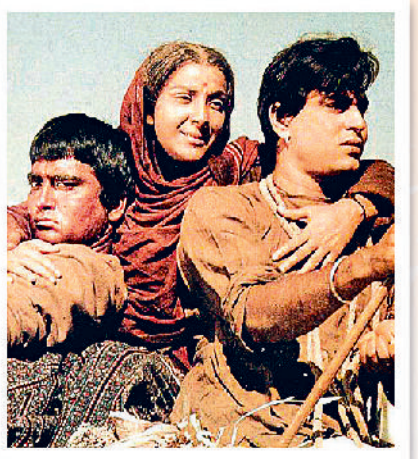

कालजयी फिल्मों में शामिल है 'मदर इंडिया'

सिल्वर स्क्रीन / हेमंत पाल

कालजयी फिल्में वे होती हैं, जिनमें कलात्मक उत्कृष्टता हो। वे सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन ही नहीं करतीं, ये फिल्में ऐसे विषयों से जुड़ी होती हैं, जो मानवीय जीवन और अनुभव के विभिन्न पहलुओं को सामने लाने का माध्यम बनती हैं। इनकी प्रासंगिकता तात्कालिक नहीं होती। ये फिल्में दशकों बाद भी दर्शकों से जुड़ने में सक्षम रहती हैं। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कारोबारी सफलता भी बहुत मायने रखती है, पर सबसे बड़ी सफलता है किसी फिल्म का कालजयी होना।

कॉस्टिंग-इनकम-सक्सेस का फंडाः यह बात सच है कि किसी भी फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन या फिल्म से इनकम के आधार पर उसे हिट या फ्लॉप का तमगा दे दिया जाता है। फिल्म की कमाई का सीधा सा अर्थशास्त्र यह है कि फिल्म अपनी कुल लागत से ज्यादा कारोबार करे। जो फिल्म जितना अधिक बिजनेस करती है, उस हिसाब से उसकी सफलता का आकलन किया जाता है।

बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस फैक्टर्सः बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की सक्सेस के अनेक फैक्टर्स होते हैं। आज के दौर में फिल्में अकसर जबर्दस्त एडवर्टाइजमेंट के साथ रिलीज होती हैं, जो तत्काल टिकट-बिक्री को बढ़ाती हैं। उनकी मार्केटिंग और प्रचार का भी मैजिकल अट्रैक्शन पैदा किया जाता है। यही दर्शकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि यह फंडा हर फिल्म के लिए सफल नहीं होता, इसलिए क्योंकि ये इफेक्ट टेंपरेरी हो सकते हैं, जो ऑडियंस को एक बार थिएटर तक खींच सकते हैं, लेकिन अगर फिल्म कंटेंट में दम नहीं है तो कुछ ही समय में सारा प्रचार का जादू फेल भी हो जाता है।

क्लासिक फिल्मों की खासियतः सवाल यह भी है कि अधिक निर्माण लागत और अच्छी-खासी कमाई वाली सभी फिल्में क्या लंबे समय तक दर्शकों को याद रह पाती हैं? इसका जवाब है, शायद नहीं, क्योंकि फिल्में महंगी निर्माण लागत या कमाई से नहीं, बल्कि अपने कथानक, निर्देशन और कलाकारों के अभिनय से याद रखी जाती हैं। बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में भी आईं, जिसने व्यावसायिक रूप से बड़ी सफलता पाई, लेकिन उन फिल्मों की कहानी या कलात्मकता ऐसी नहीं थी कि उन्हें समय के साथ याद रखा जाए। वहीं कुछ फिल्में कम बजट में बनीं, कम चलीं, लेकिन कालजयी हुईं। करोड़ों का कारोबार करने वाली सभी सुपरहिट फिल्में कालजयी इसलिए नहीं बन पातीं क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर सफलता व्यावसायिक पहलुओं जैसे मार्केटिंग, प्रचार और दर्शकों की तात्कालिक पसंद पर निर्भर होती है। जबकि कालजयी फिल्में समय की कसौटी पर खरी उतरने वाली कला, गहराई और स्थाई सामाजिक प्रासंगिकता से जन्म लेती हैं। बॉक्स ऑफिस पर किसी फिल्म का हिट होना, अकसर एक विशिष्ट समय की प्रवृत्ति होती है, जो समय के साथ धुंधली हो सकती है। लेकिन कालजयी फिल्में मानवीय भावनाओं, विचारों और सामाजिक बदलावों को पकड़ती हैं, जो उन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी प्रासंगिक बनाती हैं।

बहुत कम बनती हैं कालजयी फिल्मेंः सौ सालों से ज्यादा लंबे भारतीय फिल्म इतिहास में आज भी ऐसी फिल्में अंगुली पर गिनी जा सकती हैं, जो हर दौर में पसंद की जाती रही हैं। 'कालजयी' का मतलब है, समय के साथ अपनी प्रासंगिकता और महत्व को बनाए रखना। कालजयी फिल्में समय काल के सामाजिक रुझानों, तकनीकी नवाचारों या विशिष्ट जनसांख्यिकी को पूरा करती हैं, जो समय के साथ बदल भी सकती हैं।

कालजयी फिल्मों के जरूरी तत्वः अगर फिल्मों को कालजयी बनाने वाले तत्वों की बात की जाए, तो उनमें कलात्मक गुणवत्ता बेहद जरूरी है। कई व्यावसायिक फिल्में तकनीकी या कलात्मक गहराई की कमी दिखाती हैं। प्रासंगिकता के नजरिए से कहा जाए, तो कालजयी फिल्में सार्वभौमिक विषयों जैसे प्यार, न्याय या मानवीयता की नैतिक दुविधाओं को उजागर करती हैं, जो किसी भी समय में दर्शकों के साथ जुड़ जाती हैं। ऐसी फिल्में जो समाज में गहराई से जुड़ती हैं, महत्वपूर्ण सामाजिक बदलावों को प्रेरित करती हैं या मानवीय अनुभव की नई व्याख्या प्रस्तुत करती हैं। ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों कमाए, लेकिन कुछ सालों बाद उन्हें भुला दिया गया है, क्योंकि वे किसी विशेष समय की उपज थीं। दूसरी और ऐसी फिल्में भी हैं, जिन्होंने रिलीज के समय बड़ी कमाई नहीं की, लेकिन अपनी कलात्मक गुणवत्ता, कहानी और स्थायी विषयों वाले कथानक की वजह से आज भी याद की जाती हैं और देखी जाती हैं।

कॉमर्शियली फ्लॉप पर क्लासिक 'मेरा नाम जोकर'

कुछ कालजयी हिंदी फिल्मेंः बॉलीवुड की कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो अपने रिलीज के दशकों बाद भी अपना एक अलग मुकाम रखती हैं। इन फिल्मों को हर दौर में हर पीढ़ी के दर्शकों का प्यार मिला। 'कागज के फूल', 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम', 'बॉबी', 'शोले', 'दीवार', 'उमराव जान' जैसी फिल्मों को आज भी दर्शक याद करते हैं। इन फिल्मों की गिनती बॉलीवुड के क्लासिक कल्ट के रूप में होती है। खास बात यह है कि इन फिल्मों ने व्यावसायिक रूप से भी सफलता के झंडे गाड़े थे।

कई फिल्में अपने समय में व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं, लेकिन बाद में उन्हीं फिल्मों को बॉलीवुड की कल्ट क्लासिक का दर्जा मिला। उदाहरण के तौर पे 'मेरा नाम जोकर' और 'सिलसिला' जैसी फिल्मों को देखा जा सकता है।

ये वे फिल्में हैं, जो सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि मानवीय भावनाओं, सामाजिक मुद्दों और मानवीय रिश्तों की गहरी समझ को भी प्रस्तुत करती हैं, जिससे वे हमेशा के लिए कालातीत बन जाती हैं। *